दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-23 अंक-85 सीहोर,रविवार 17 मई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

सीमावर्ती जिलों के युवाओं को बरगला रहा पाकिस्तानी आतंकी भट्टी, सुरक्षा एजेंसियों का बड़ा खुलासा; एटीएस ने 20 युवक पकड़े

जयपुर (आरएनएस)। सुरक्षा एजेंसियों को आशंका है कि पाकिस्तानी आतंकवादी शहजाद भट्टी का नेटवर्क केवल सीमावर्ती इलाकों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह युवाओं को आतंकी गतिविधियों और लॉजिस्टिक सपोर्ट के लिए इस्तेमाल कर रहा है। जांच में सामने आया है कि भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे जिलों के कई युवक उसके जाल में फंस चुके हैं।मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर राजस्थान-हरियाणा एटीएस और स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने दो दिन पहले संयुक्त छापेमारी कर बड़ी साजिश का खुलासा किया। कार्रवाई के दौरान करीब 20 युवकों को हिरासत में लिया गया, जिनमें सबसे अधिक 10 युवक राजस्थान के सीमावर्ती श्रीगंगानगर जिले के निवासी बताए जा रहे हैं।

पुलिस जांच में सामने आया है कि ये युवक इंटरनेट मीडिया के जरिए शहजाद भट्टी और उसके नेटवर्क के संपर्क में आए थे। श्रीगंगानगर पुलिस अधीक्षक हरिशंकर ने बताया कि भट्टी पाकिस्तान से ड्रोन के माध्यम से हेरोइन, विदेशी पिस्टल और आरडीएक्स भारत भेज रहा है। वह खासतौर पर ऐसे युवाओं को निशाना बना रहा है जो कम समय में अधिक पैसा कमाने की चाह रखते हैं। पुलिस के अनुसार सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं को धीरे-धीरे अपने जाल में फंसाया जाता है। इसके बाद उनसे सेना और अन्य महत्वपूर्ण ठिकानों से जुड़ी जानकारी हासिल करने की कोशिश की जाती है। बदले में हवाला के जरिए पैसे पहुंचाए जाते हैं।जांच में यह भी सामने आया है कि हिरासत में लिए गए कई युवक इंस्टाग्राम और फेसबुक पर शहजाद भट्टी को फॉलो करते थे। वे उसकी पोस्ट को लाइक और शेयर भी करते थे, जिससे उनके स्लीपर सेल का हिस्सा बनने की आशंका बढ़ गई है। पुलिस ने युवकों के मोबाइल फोन जब्त कर गहन पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस पिछले दो महीनों में श्रीगंगानगर और आसपास के इलाकों में सामने आई घटनाओं को भी इसी नेटवर्क से जोड़कर जांच कर रही है।

वोटर लिस्ट मामले में सुनवाई टली, याचिकाकर्ता ने सोनिया गांधी पर लगाया देरी कराने का आरोप

नई दिल्ली(ए.)। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्षा सोनिया गांधी के खिलाफ वोटर लिस्ट मामले में सुनवाई टलने के बाद याचिकाकर्ता अधिवक्ता विकास त्रिपाठी ने उन पर जानबूझकर सुनवाई में देरी कराने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी के वकील समय कम होने का हवाला देकर बार-बार बहस टाल रहे हैं, जिससे मामले की सुनवाई आगे बढ़ रही है।अधिवक्ता विकास त्रिपाठी ने न्यायालय परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि अदालत ने उन्हें निर्वाचन आयोग से प्राप्त दस्तावेज दाखिल करने का निर्देश दिया था और सभी दस्तावेज अदालत में जमा कर दिए गए हैं। इसके बावजूद विपक्ष की ओर से बहस नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि जानबूझकर "तारीख पर तारीख" ली जा रही है।

NEET पेपर लीक केस में NTA की एक्सपर्ट ही निकली मास्टरमाइंड, CBI ने मनीषा मंधारे को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (ए.)। देशभर में हड़कंप मचाने वाले नीट-यूजी 2026 पेपर लीक कांड में केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने एक ऐसा सनसनीखेज खुलासा किया है, जिस पर यकीन कर पाना मुश्किल है। इस पूरे फर्जीवाड़े की मास्टरमाइंड कोई और नहीं, बल्कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) द्वारा नियुक्त की गई बॉटनी की सीनियर टीचर मनीषा मंधारे निकली है। जांच एजेंसी ने मास्टरमाइंड मनीषा को गिरफ्तार कर लिया है। इस गिरफ्तारी के बाद जो परतें खुली हैं, उसने पूरी परीक्षा प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

रक्षक ही भक्षक: NTA की एक्सपर्ट ने ही किया बड़ा खेल

सीबीआई की गहन जांच में सामने आया है कि एनटीए ने खुद मनीषा मंधारे को नीट-यूजी 2026 परीक्षा प्रक्रिया में एक विषय विशेषज्ञ (एक्सपर्ट) के तौर पर नियुक्त किया था। इसी अहम जिम्मेदारी का फायदा उठाते हुए उसकी बॉटनी और जूलॉजी के प्रश्नपत्रों तक सीधी और पूरी पहुंच बन गई थी। अपने पद का दुरुपयोग करते हुए मनीषा ने अप्रैल 2026 के दौरान पुणे की रहने वाली एक अन्य महिला मनीषा वाघमारे के जरिए कई अमीर नीट अभ्यर्थियों से संपर्क साधा और पेपर लीक की इस खौफनाक साजिश को अंजाम दिया। पुलिस वाघमारे को 14 मई को ही गिरफ्तार कर चुकी है।

इस बड़े रैकेट का काम करने का तरीका बेहद शातिर था। मास्टरमाइंड मनीषा मंधारे अपने पुणे स्थित घर पर चुनिंदा छात्रों के लिए एक 'स्पेशल कोचिंग क्लास' चलाती थी। इन कक्षाओं में उसने छात्रों को बॉटनी और जूलॉजी के कई 'संभावित' सवाल बताए, उन्हें उनकी कॉपियों में लिखवाया और किताबों में महत्वपूर्ण बताकर मार्क भी करवाया।

डिजिटल परिवर्तन और पेपरलेस न्याय व्यवस्था भविष्य के लिये महत्वपूर्ण और आवश्यक : सीजेआई न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत

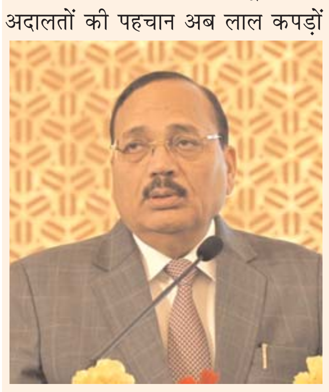

भोपाल (आरएनएस)। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि डिजिटल परिवर्तन और पेपरलेस न्याय व्यवस्था भारतीय न्यायपालिका के भविष्य का सबसे महत्वपूर्ण और आवश्यक विषय है। उन्होंने कहा कि अदालतों की पहचान अब लाल कपड़ों में बंधी भारी-भरकम फाइलों से नहीं, बल्कि स्मार्ट तकनीक से होगी। कोविड-19 महामारी के दौर को एक ऐतिहासिक मोड़ बताते हुए उन्होंने कहा कि उस संकटकाल में वर्चुअल हियरिंग और ई-फाइलिंग से न्याय प्रणाली को नई दिशा मिली। सुप्रीम कोर्ट ने अब 'मिसलेनियस डेट्स' पर पूरी तरह वर्चुअल हियरिंग का निर्णय लिया है, जिससे वकीलों को घर बैठे दलीलें रखने की सुविधा मिलेगी। उन्होंने यह बात जबलपुर में महाधिवक्ता कार्यालय द्वारा आयोजित 'डिजिटल ट्रांसमिशन- एडवांसिंग पेपरलेस लीगल सिस्टम' विषय पर आयोजित विधिक व्याख्यान कार्यक्रम में कही।मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत ने अपने 37 वर्ष की आयु में महाधिवक्ता बनने के दौर को याद करते हुए बताया कि पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व. अरुण जेटली के सहयोग से उन्होंने देश का पहला पूर्णत: कंप्यूटरीकृत महाधिवक्ता कार्यालय तैयार कराया था। अब लाइव स्ट्रीमिंग और नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड ने न्याय व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाई है। न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत ने विशेष रूप से कहा कि सिक्किम की तरह मध्यप्रदेश भी पूर्णत: पेपरलेस बनने की दिशा में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ आगे बढ़ रहा है।

पेट्रोल-डीजल में 3 रुपए की बढ़ोतरी के बाद अभी और बढ़ सकते हैं दाम

अभी भी हर लीटर पर कंपनियों को हो रहा 39 रुपए प्रति लीटर का नुकसान

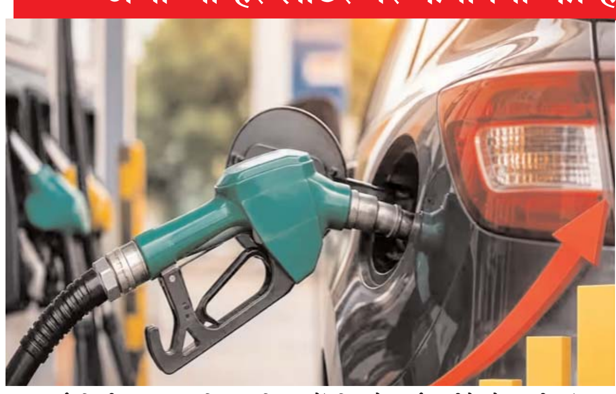

नई दिल्ली,(ए.)। पश्चिम एशिया में पिछले ढाई महीने से जारी संकट के चलते कच्चे तेल की कीमत में उछाल आया है। यह 130 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया था और अब भी लगातार 100 डॉलर के ऊपर बना हुआ है। इसके कारण सरकारी तेल कंपनियों को हर महीने 30,000 करोड़ 0का नुकसान हो रहा था। सरकार ने शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमत में 3 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। चार साल में पहली बार पेट्रोल-डीजल की कीमत को बढ़ाया गया है, लेकिन इसमें अभी और बढ़ोतरी हो रही है।ईरान पर अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी के हमले के बाद से कच्चे तेल की कीमत 50 फीसदी से ज्यादा चढ़ी हैं। इंडस्ट्री के सूत्रों का कहना है कि शुक्रवार को बढ़ोतरी से तेल कंपनियों को हो रहे नुकसान की भरपाई नहीं हो सकती है। इसलिए आने वाले दिनों में पेट्रोल और डीजल की कीमत और बढ़ सकती हैं। इंटस्ट्री के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि दाम बढ़ने के बावजूद पेट्रोल में अब भी 11 रुपए और डीजल में 39 रुपए प्रति लीटर का नुकसान हो रहा है। शुक्रवार की बढ़ोतरी से पहले सरकारी तेल कंपनियों को हरेक लीटर पेट्रोल पर 14 रुपए और डीजल पर 42 रुपए का नुकसान हो रहा था। पेट्रोल और डीजल की कीमत में 3 रुपए बढ़ोतरी के बाद उनके नुकसान की मामूली भरपाई हो सकती है। पूरी तरह घाटे से उबरने के लिए पेट्रोल और डीजल की कीमत में भारी इजाफा करना होगा।इस बीच सरकार ने पेट्रोल के निर्यात पर 3 रुपए प्रति लीटर का अप्रत्याशित लाभ कर लगाया है जबकि डीजल पर कर घटाकर 16.5 रुपए प्रति लीटर और विमान ईंधन (एटीएफ) पर कर घटाकर 16 रुपए प्रति लीटर कर दिया।

पेट्रोल-डीजल की बढ़ी कीमतों को लेकर कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा, बैलगाड़ी के साथ किया प्रदर्शन

नई दिल्ली, (आरएनएस)। बढ़ती महंगाई और पेट्रोल-डीजल के बढ़े दामों के खिलाफ दिल्ली प्रदेश कांग्रेस ने अपने सभी 250 ब्लॉक कांग्रेस कमेटी स्तर पर विरोध प्रदर्शन किया. कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव करोल बाग में आयोजित विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए. यहां प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव सहित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बैलगाड़ी पर चढ़कर प्रदर्शन किया.दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में पेट्रोल पंप और मदर डेयरी बूथ के बाहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया. इसी बीच झंडेवालान मेट्रो स्टेशन के पास 108 फीट ऊंची हनुमान मूर्ति के नजदीक दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव बैलगाड़ी पर बैठकर प्रदर्शन करने पहुंचे. इस दौरान हाथों में तख्तियां, केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी और बैलगाड़ी पर सवार होकर पहुंचे. दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि जो सरकार महंगाई के खिलाफ चुनाव जीतकर आई थी उसके शासन में आज महंगाई के सारे रिकॉर्ड टूट गए हैं।

'दुनिया के नक्शे में बने रहना चाहता है या इतिहास में दफन..', आर्मी चीफ की पाकिस्तान को चेतावनी

नई दिल्ली,(ए.)। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को आतंकवाद के मुद्दे पर कड़ा संदेश देते हुए साफ कहा है कि यदि उसने भारत विरोधी गतिविधियों और आतंकियों को संरक्षण देना बंद नहीं किया, तो उसे तय करना होगा कि वह दुनिया के नक्शे पर भूगोल का हिस्सा बना रहेगा या इतिहास का विषय बन जाएगा।दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में आयोजित 'यूनिफॉर्म अनवेल्ड' कार्यक्रम के दौरान सेना प्रमुख ने यह तीखी टिप्पणी की। संवाद सत्र में उनसे सवाल पूछा गया कि यदि भविष्य में फिर से वैसी परिस्थितियां बनती हैं जैसी पिछले वर्ष ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बनी थीं, तो भारतीय सेना की रणनीति क्या होगी।इस पर जवाब देते हुए जनरल द्विवेदी ने कहा कि भारतीय सेना हर चुनौती का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है और यदि दोबारा ऐसी स्थिति बनी तो जवाब पहले से भी अधिक कठोर और निर्णायक होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर कायम है और देश की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा।सेना प्रमुख ने कहा कि पाकिस्तान को अब अपनी नीतियों में बदलाव करना होगा। सीमा पार आतंकवाद और भारत विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देना क्षेत्र की शांति और स्थिरता के लिए गंभीर खतरा है।

धार्मिक आयोजन :विवाह वर्षगांठ पर सक्सेना दंपत्ति ने कराया सुंदरकांड का पाठ, समाज को दी नई दिशा

भोपाल (संदीप पंडा)। स्थानीय जवाहर चौक स्थित ऐतिहासिक चित्रगुप्त मंदिर में शनिवार को एक भव्य सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया और सुंदरकांड की चौपाइयों को सुनकर पुण्य लाभ कमाया। भक्तिमय माहौल में डूबे भक्त पाठ के दौरान पूरी तरह से भाव-विभोर नजर आए।

विवाह वर्षगांठ पर अनूठी पहल

यह विशेष आयोजन श्री के.के. सक्सेना (दैनिक क्षितिज किरण ग्रुप संपादक) एवं श्रीमती भावना सक्सेना (दैनिक क्षितिज किरण ब्यूरो चीफ सीहोर) द्वारा अपनी विवाह वर्षगांठ (शादी की सालगिरह) के उपलक्ष्य में कराया गया था। अमूमन लोग अपनी शादी की सालगिरह पर आधुनिक पार्टियों का आयोजन करते हैं, लेकिन सक्सेना दंपत्ति ने इस मांगलिक अवसर को भगवान की भक्ति के साथ मनाकर समाज में एक सकारात्मक

संदेश और नई दिशा दी है।

गणमान्य नागरिकों की रही गरिमामयी उपस्थिति

इस धार्मिक आयोजन में कायस्थ समाज के बंधुओं के साथ-साथ शहर के कई गणमान्य नागरिकों और प्रबुद्ध जनों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सभी ने सुंदरकांड पाठ में शामिल होकर

भगवान का आशीर्वाद लिया और सक्सेना दंपत्ति को उनके सुखद वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दीं।अनुष्ठान की समाप्ति और महाआरती के बाद उपस्थित सभी श्रद्धालुओं और अतिथियों के लिए अल्पाहार (नाश्ते) की भी विशेष व्यवस्था की गई थी। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर जय श्री राम और जय चित्रगुप्त के जयकारों से गुंजायमान रहा।

भरी दोपहर भीड़ वाली जगह में धू-धूकर जली एसयूवी कार, मालिक ने कर्मचारियों को बताया जिम्मेदार

भोपाल (ए.)। भोपाल के कोलार रोड पर शनिवार दोपहर 3:30 बजे भीड़भाड़ भरी सड़क पर हुंडई कंपनी की एसयूवी क्रेटा कार में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेजी से भड़की कि दमकल के पहुंचने से पहले ही कार का अधिकांश हिस्सा जल गया। कार मालिक ने 15 दिन पहले चूनाभट्टी स्थित सुरजीत हुंडई शोरूम के वर्कशॉप में मेंटेनेंस के लिए कार दी थी।

हादसे के समय कार मालिक भी उसी रास्ते से गुजर रहे थे और उन्होंने अपनी कार को धू-धूकर जलते हुए देखा। इसके बाद उन्होंने दमकल और पुलिस को सूचना दी। आग बुझने के बाद कार मालिक नितिन रघुवंशी चूनाभट्टी स्थित शोरूम पहुंचे और जमकर हंगामा किया। उनका आरोप है कि वर्कशॉप के कर्मचारी कार को ट्रायल के लिए लेकर गए थे और उसी दौरान कार में आग लगी। आग लगने के बाद कर्मचारी कार को जलता छोड़कर मौके से भाग गए।

कार मालिक ने फोन किया तो कर्मचारियों ने कहा- कार वर्कशॉप में है

जानकारी के अनुसार, नितिन रघुवंशी भोपाल के निवासी हैं। 15 दिन पहले उन्होंने अपनी हुंडई क्रेटा कार को सुरजीत हुंडई शोरूम के वर्कशॉप में सुधार कार्य के लिए दिया था। शनिवार दोपहर शोरूम के कर्मचारी कार को ट्रायल के लिए लेकर निकले थे। इसी दौरान चलती कार में आग लग गई।

बिजली उपभोक्ता सायबर जालसाजों से सावधान रहें : मंत्री श्री तोमर

बिजली बिल का भुगतान बिजली कंपनी के अधिकृत पेमेंट गेटवे अथवा बिजली कंपनी के कैश काउण्टर पर ही करें

भोपाल(निप्र)। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने बिजली बिलों का नगद भुगतान कंपनी के जोन, वितरण केन्द्र कार्यालय, पीओएस मशीन अथवा अधिकृत भुगतान केन्द्रों जैसे एम.पी.ऑनलाइन, कॉमन सर्विस सेंटर पर ही करें। उपभोक्ताओं को बिजली बिलों के केशलेस भुगतान के लिये कंपनी के पोर्टल (नेट बैंकिंग, क्रेडिट/डेबिट कार्ड, यूपीआई, ईसीएस, बीबीपीएस, कैश कार्ड एवं वॉलेट आदि) फोन पे, अमेजान पे, गूगल पे, पेटीएम ऐप, व्हाट्सएप पे एवं उपाय मोबाइल ऐप के माध्यम से भी बिल भुगतान की सुविधा उपलब्ध है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा है कि उपभोक्ता को असमय विद्युत विच्छेदन से बचने के लिए किसी निजी मोबाईल नंबर से कॉल कर भुगतान करने के लिये कोई एसएमएस/ व्हाट्सएप जारी नहीं किया जाता है। कंपनी द्वारा एसएमएस केवल निर्धारित सेंडर आईडी से ही भेजे जाते हैं। उपभोक्ता किसी अन्य सेंडर आईडी अथवा निजी नंबर से आए भ्रामक मेसेज से सतर्क रहें। कंपनी अंतर्गत विद्युत देयकों के भुगतान के लिए उपभोक्ता पहचान नंबर यानि आईवीआरएस नंबर की जरूरत होती है। आईवीआरएस नंबर के आधार पर ही जोन, वितरण केन्द्रों या अन्य गेटवे एमपी ऑनलाइन, पेटीएम, फोन पे, गूगल पे. अमेजन पे, व्हाट्सएप पे आदि पर बिजली बिलों का भुगतान होता है। उपभोक्ता किसी भी अनजान मोबाइल नंबर से आए फोन या व्हाट्सएप मैसेज के आधार पर किसी भी मोबाइल नंबर पर देयकों की राशि अंतरित न करें। साथ ही अपना पिन नंबर भी किसी के साथ साझा न करें।

मध्य प्रदेश में बुजुर्गों और आदिवासियों की सुरक्षा चिंता का विषय : जीतू पटवारी

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश में वरिष्ठ नागरिकों और आदिवासी समाज के खिलाफ अपराधों पर चिंता व्यक्त करते हुए राज्य सरकार पर कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कमजोर और वंचित वर्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। जीतू पटवारी ने शनिवार को मीडिया को जारी अपने बयान में कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के खिलाफ अपराध चिंताजनक है। उनके अनुसार वर्ष 2024 में प्रदेश में बुजुर्गों के खिलाफ हत्या, लूट, घरेलू हिंसा, साइबर अपराध और अन्य गंभीर घटनाओं सहित छह हजार से अधिक मामले दर्ज किए गए।

उन्होंने दावा किया कि कई मामलों में पेंशन और संपत्ति विवाद को लेकर परिवारों के भीतर ही बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार और हिंसा की घटनाएं सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिक अपने अधिकारों और सुरक्षा के लिए स्वयं प्रभावी ढंग से संघर्ष नहीं कर पाते, इसलिए सरकार और समाज दोनों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। कांग्रेस ने मांग की कि बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए विशेष अभियान चलाया जाए तथा सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों और शैक्षणिक संस्थानों की भागीदारी से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

आदिवासी अत्याचार के मामलों पर भी चिंता

पीसीसी चीफ पटवारी ने आदिवासी समाज के खिलाफ बढ़ते अपराधों का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024 में प्रदेश में आदिवासियों के खिलाफ 3165 मामले दर्ज किए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि कई मामलों में आदिवासी समुदाय को सामाजिक अपमान और प्रताड़ना का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि आदिवासी और कमजोर वर्गों की सुरक्षा के लिए सरकार को संवेदनशील और जवाबदेह व्यवस्था विकसित करनी चाहिए। साथ ही अपराधों में शामिल लोगों के खिलाफ त्वरित और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए।

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने राज्य सरकार से मांग की है कि वरिष्ठ नागरिकों और आदिवासी समाज की सुरक्षा के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की जाए, अपराधों की रोकथाम के लिए प्रभावी तंत्र विकसित किया जाए तथा पीड़ित परिवारों को शीघ्र न्याय दिलाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

शिक्षक भर्ती में पद वृद्धि की मांग : फिर सड़कों पर उतरे अभ्यर्थी, DPI में किया प्रदर्शन, युवती की बिगड़ी तबीयत

भोपाल (ए.)। शिक्षक भर्ती परीक्षा 2025 पास कर चुके अभ्यर्थियों का आंदोलन शनिवार को भी जारी रहा। पद वृद्धि और शीघ्र ज्वाइनिंग की मांग को लेकर प्रदेशभर से बड़ी संख्या में अभ्यर्थी राजधानी भोपाल पहुंचे और लोक शिक्षण संचालनालय के बाहर प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों ने नारेबाजी करते हुए सरकार से वर्ग-2 और वर्ग-3 शिक्षक भर्ती में पद बढ़ाने और लंबित नियुक्ति प्रक्रिया जल्द पूरी करने की मांग उठाई।

तेज धूप में बिगड़ी युवती की तबीयत

दोपहर की भीषण गर्मी में प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों में से एक युवती की तबीयत अचानक खराब हो गई। सूचना मिलने पर एंबुलेंस मौके पर पहुंची, लेकिन युवती ने अस्पताल जाने से इंकार कर दिया। खराब स्वास्थ्य के बावजूद वह आंदोलन स्थल पर डटी रही और अपनी मांगों को लेकर आवाज उठाती रही। इसके बाद साथी अभ्यर्थियों ने उसे एनर्जी ड्रिंक और दवाइयां देकर संभाला। कुछ देर बाद उसकी हालत सामान्य हुई। इस घटना के बाद भी अभ्यर्थियों का प्रदर्शन जारी रहा।

पुलिस की चेतावनी से बढ़ा तनाव

प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने अभ्यर्थियों को परिसर खाली करने की चेतावनी दी, जिसके बाद कुछ समय के लिए मौके पर हंगामे की स्थिति बन गई। अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि वे शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांग रख रहे हैं, लेकिन पुलिस उन्हें अनावश्यक रूप से परेशान कर रही है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वे प्रदेशभर से न्याय की उम्मीद लेकर भोपाल पहुंचे हैं और सरकार को उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

कम पदों से हजारों युवा बाहर

अभ्यर्थियों का आरोप है कि वर्ग-2 और वर्ग-3 शिक्षक भर्ती में बहुत कम पद घोषित किए गए हैं, जिससे बड़ी संख्या में पात्र और परीक्षा उत्तीर्ण उम्मीदवार चयन से बाहर हो रहे हैं। उनका कहना है कि सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी है, लेकिन इसके बावजूद पर्याप्त पदों पर भर्ती नहीं निकाली जा रही। उन्होंने बताया कि नवंबर 2025 से अब तक कई बार भोपाल में प्रदर्शन किए जा चुके हैं। इस दौरान अभ्यर्थियों ने भूख हड़ताल, मुंडन प्रदर्शन और मार्कशीट दहन जैसे विरोध कार्यक्रम भी किए। यहां तक कि मुख्यमंत्री के नाम खून से आवेदन पत्र लिखकर भी अपनी मांगें सरकार तक पहुंचाने की कोशिश की गई।

शिक्षा व्यवस्था सुधारने की बात

प्रदर्शन कर रहे युवाओं का कहना है कि स्कूलों में शिक्षकों की कमी का सीधा असर बच्चों की पढ़ाई पर पड़ रहा है। यदि रिक्त पदों पर भर्ती बढ़ाई जाती है तो शिक्षा व्यवस्था मजबूत होगी और हजारों युवाओं को रोजगार मिल सकेगा।

अभ्यर्थियों की प्रमुख मांगें

अभ्यर्थियों ने सरकार से माध्यमिक शिक्षक भर्ती वर्ग-2 में खेल, संगीत, नृत्य, गायन और वादन सहित विभिन्न विषयों में पद बढ़ाकर कुल कम से कम 10 हजार पद करने की मांग की है। साथ ही दूसरी काउंसलिंग प्रक्रिया जल्द शुरू करने की भी मांग उठाई गई। वहीं वर्ग-3 भर्ती में पद संख्या बढ़ाकर 25 हजार करने और दूसरी काउंसलिंग शीघ्र शुरू करने की मांग भी रखी गई है।

इसके अलावा प्राथमिक शिक्षक भर्ती में शामिल विशेष शिक्षक पदों के लिए अलग भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की मांग भी अभ्यर्थियों ने सरकार के सामने रखी।

आंदोलन तेज करने की चेतावनी

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यदि सरकार जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लेती तो आने वाले दिनों में आंदोलन और बड़ा किया जाएगा। उनका कहना है कि यह लड़ाई केवल नौकरी की नहीं, बल्कि प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था सुधारने की भी है।

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया न्यायमूर्ति श्री सूर्यकान्त ने जबलपुर में फ्रेगमेंटेशन ऑफ फ्यूजन एम्पावरिंग जस्टिस वाया यूनाइटेड डिजिटल प्लेटफार्म इंटीग्रेशन" का रिमोट से शुभारंभ किया।

देवास पटाखा फैक्ट्री विस्फोट मामले में एसडीएम, नायब तहसीलदार और एसडीओपी निलंबित

भोपाल (निप्र)। देवास जिले की टोंकखुर्द तहसील स्थित पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट मामले में सरकार ने बड़ी कार्रवाई की है। लापरवाही और कर्तव्यों के निर्वहन में गंभीर अनियमितता पाए जाने पर एसडीएम संजीव सक्सेना, नायब तहसीलदार रवि शर्मा और एसडीओपी दीपा मांडवे को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। उज्जैन संभाग आयुक्त कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, टप्पा चिड़ावद तहसील टोंकखुर्द में पदस्थ नायब तहसीलदार रवि शर्मा पर विस्फोटक सामग्री संबंधी प्रशासनिक निरीक्षण में गंभीर लापरवाही बरतने के आरोप लगे हैं। आदेश में कहा गया है कि शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप निरीक्षण और निगरानी नहीं किए जाने के कारण यह घटना घटित हुई। इसके चलते उन्हें मध्यप्रदेश सिविल सेवा नियमों के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कलेक्टर कार्यालय देवास रहेगा।

वहीं गृह विभाग की तरफ से जारी आदेश में सोनकच्छ एसडीओपी दीपा मांडवे को भी निलंबित किया गया है। शासन के अनुसार, फैक्ट्री संचालन के संबंध में समय-समय पर जारी निर्देशों के बावजूद निरीक्षण नहीं किया गया और वरिष्ठ कार्यालय को प्रतिवेदन भी प्रस्तुत नहीं किया गया। इसे कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही और उदासीनता माना गया है।

पेट्रोल-डीजल की महंगाई पर महिला कांग्रेस का धक्का मार्च, सड़क पर वाहन धकेलकर जताया विरोध

भोपाल (ए.)। पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों, महंगाई और आम आदमी पर बढ़ते आर्थिक बोझ के खिलाफ शनिवार को राजधानी भोपाल में मध्यप्रदेश महिला कांग्रेस ने अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। प्रदेश अध्यक्ष रीना बोरासी के नेतृत्व में महिला कार्यकर्ताओं ने न्यू मार्केट स्थित नानके पेट्रोल पंप से धक्का मार्च निकालकर केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों के खिलाफ नाराजगी जाहिर की। प्रदर्शन के दौरान महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्कूटी, बाइक को बिना स्टार्ट किए सड़क पर धक्का लगाते हुए मार्च निकाला। प्रदर्शन का उद्देश्य लगातार बढ़ रही ईंधन कीमतों और महंगाई से परेशान आम जनता की स्थिति को प्रतीकात्मक तरीके से सामने लाना था।

हर चीज महंगी, जनता पर बढ़ता बोझ

प्रदर्शन के दौरान महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बोरासी ने कहा कि पेट्रोल-डीजल ही नहीं, बल्कि गैस सिलेंडर, सब्जियां और रोजमर्रा की जरूरत की हर वस्तु महंगी हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार लगातार कीमतें बढ़ा रही है, जबकि जनता को राहत देने के लिए कोई ठोस रणनीति नजर नहीं आ रही। उन्होंने कहा कि सरकार जनता से त्याग करने की अपील करती है, लेकिन आम लोगों की मुश्किलों को कम करने की दिशा में प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे।

धक्का लगाकर जताई आम आदमी की परेशानी

महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने वाहनों को धक्का देकर यह संदेश देने की कोशिश की कि बढ़ती पेट्रोल-डीजल कीमतों ने आम आदमी की जेब पर सीधा असर डाला है। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की।

न्यू मार्केट क्षेत्र में कुछ समय के लिए प्रदर्शन को देखने लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस बल भी मौके पर तैनात रहा, हालांकि प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ।

वट सावित्री व्रत पर खटलापुरा मंदिर में उमड़ी श्रद्धा, महिलाओं ने पति की लंबी आयु की कामना की

भोपाल, (निप्र.)। राजधानी भोपाल के खटलापुरा मंदिर परिसर में शनिवार को वट सावित्री व्रत के अवसर पर बड़ी संख्या में सुहागिन महिलाओं ने पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने वट वृक्ष की परिक्रमा कर अपने पति की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना की।जानकारी के लिए बता दें कि शनिवार को सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालु महिलाओं की भीड़ लगी रही। पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचीं महिलाओं ने विधि-विधान के साथ वट वृक्ष का पूजन किया, धागा बांधा और कथा श्रवण कर व्रत का पालन किया। धार्मिक मान्यता के अनुसार वट सावित्री व्रत पति की लंबी उम्र और वैवाहिक सुख के लिए रखा जाता है।

बीयू का बड़ा एक्शन प्लानः अब नहीं चलेगा फर्जी स्टाफ और संसाधनों का खेल, सभी कोर्सों की होगी एक साथ जांच

भोपाल (निप्र)। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय ने संबद्ध कॉलेजों में लंबे समय से चल रही कागजी व्यवस्थाओं पर लगाम कसने की तैयारी शुरू कर दी है। विश्वविद्यालय ने निरीक्षण प्रक्रिया में बड़ा बदलाव करते हुए ऐसा सिस्टम लागू किया है, जिसमें अब किसी कॉलेज में संचालित सभी कोर्सों का एक साथ परीक्षण किया जाएगा। नई व्यवस्था का मकसद उन संस्थानों की वास्तविक स्थिति सामने लाना है, जो अब तक अलग-अलग निरीक्षण के दौरान सीमित संसाधनों को कई कोर्सों के नाम पर दिखाते रहे हैं। विश्वविद्यालय ने इसके लिए नया फॉर्मेट-ए जारी किया है। इसके तहत कॉलेजों को निरीक्षण से पहले ही अपने यहां उपलब्ध भवन, लैब, लाइब्रेरी, फैकल्टी और अन्य संसाधनों की पूरी जानकारी देनी होगी। इसके बाद निरीक्षण दल उसी जानकारी के आधार पर मौके पर वास्तविक स्थिति का मिलान करेगा।

अब नहीं चलेगा एक संसाधन- कई कोर्स मॉडल

अब तक कई कॉलेजों में एक ही क्लासरूम, लैब और फैकल्टी को अलग-अलग समय पर अलग कोर्सों के लिए प्रस्तुत कर संबद्धता और निरंतरता हासिल कर ली जाती थी। निरीक्षण की तारीख और समय अलग होने के कारण यह खेल आसानी से चलता रहा।

प्रदेश में निरंतर सशक्त हो रही स्वास्थ्य सेवाएं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को निरंतर सशक्त एवं उन्नत बनाया जा रहा है। प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के साथ ही उनकी सतत एवं सशक्त निगरानी सुनिश्चित की जा रही है, जिससे आमजन को गुणवत्तापूर्ण उपचार सुविधाएं समय पर उपलब्ध हो सकें। महिला एवं शिशु स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राज्य सरकार द्वारा आधुनिक स्वास्थ्य अधोसंरचना, विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं एवं प्रभावी मॉनिटरिंग तंत्र को मजबूत किया जा रहा है। इन प्रयासों से प्रदेश में नवजात एवं मातृ स्वास्थ्य संकेतकों में सतत सुधार दर्ज किया जा रहा है।

भाजपा विधायक भगवानदास सबनानी के बंगले पर कार्यरत 22 वर्षीय युवक की स्विमिंग पूल में डूबने से मौत

भोपाल (निप्र)। भोपाल के कजलीखेड़ा थाना क्षेत्र स्थित एक रिसोर्ट में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात दर्दनाक हादसा हो गया। भाजपा विधायक भगवानदास सबनानी के बंगले पर कार्यरत 22 वर्षीय युवक की स्विमिंग पूल में डूबने से मौत हो गई। युवक अपने दोस्तों के साथ पार्टी मनाने रिसोर्ट पहुंचा था। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतक की पहचान कुनाल महावत (22) निवासी बरखेड़ी के रूप में हुई है। वह विधायक भगवानदास सबनानी के बंगले पर काम करता था। शुक्रवार रात वह अपने दोस्त अनिकेत शाक्य और अन्य साथियों के साथ कजलीखेड़ा स्थित केके रिसोर्ट गया था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है।

करीब 20 मिनट तक आसपास खोजबीन के बाद मिला शव

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सभी दोस्त रिसोर्ट के एक हिस्से में बैठे हुए थे। इसी दौरान कुनाल वहां से उठकर चला गया। दोस्तों को लगा कि वह कुछ देर में वापस आ जाएगा, लेकिन काफी समय तक नहीं लौटा। जब मोबाइल कॉल का जवाब नहीं मिला तो दोस्तों ने उसकी तलाश शुरू की। करीब 20 मिनट तक आसपास खोजबीन करने के बाद वे स्विमिंग पूल के पास पहुंचे, जहां कुनाल का शव पानी में तैरता दिखाई दिया।

मानसून से पहले डेंगू अलर्टः 38 लाख घरों की जांच, 20 हजार से ज्यादा लार्वा, अब ड्रोन और AI से मच्छरों पर नजर

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश में डेंगू नियंत्रण अभियान के तहत अब तक 38.70 लाख घरों का लार्वा सर्वे किया गया, जिसमें 20 हजार से ज्यादा घरों में मच्छरों का लार्वा मिला। प्रदेश में इस साल अब तक 303 डेंगू पॉजिटिव मरीज सामने आए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू नियंत्रण के लिए ड्रोन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीकों का इस्तेमाल शुरू किया है।

मानसून से पहले मध्यप्रदेश में डेंगू को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है। राष्ट्रीय वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत शनिवार को पूरे प्रदेश में राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया गया। इस दौरान जागरूकता रैली, नारा लेखन, जनजागरूकता रथ, नुक्कड़ नाटक और अंतर्विभागीय बैठकों के जरिए लोगों को डेंगू से बचाव का संदेश दिया गया।

पिछले साल की तुलना में कम हुए केस

राज्य वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम अधिकारी डॉ. हिमांशु जायसवार ने बताया कि वर्ष 2026 में अब तक प्रदेश में 18 हजार से ज्यादा डेंगू जांचें की जा चुकी हैं, जिनमें 303 मरीज पॉजिटिव मिले हैं। पिछले साल इसी अवधि में 344 केस सामने आए थे। इस तरह इस बार करीब 12 प्रतिशत मामलों में कमी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाने का उद्देश्य मानसून से पहले लोगों को जागरूक करना और डेंगू नियंत्रण गतिविधियों को तेज करना है।

चेक, क्लीन और कवर पर फोकस

एम्बेड परियोजना के डॉ.संतोष भार्गव ने बताया कि इस साल राष्ट्रीय डेंगू दिवस की थीम डेंगू नियंत्रण के लिए सामुदायिक भागीदारी- जांचें, साफ करें और ढकें रखी गई है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि घरों और आसपास पानी जमा न होने दें, कूलर और पानी की टंकियों की नियमित सफाई करें और खुले बर्तनों को ढककर रखें। प्रदेश के जिला अस्पतालों और चिन्हित सिविल अस्पतालों सहित 64 सेंटीनल लैब में डेंगू जांच की सुविधा मुफ्त उपलब्ध कराई जा रही है।

38 लाख घरों का सर्वे, मौके पर नष्ट किया लार्वा

विभाग के अनुसार प्रदेशभर में 38.70 लाख से ज्यादा घरों में लार्वा सर्वे किया गया। इनमें 20,238 घरों में डेंगू मच्छर का लार्वा मिला, जिसे टीमों ने मौके पर ही नष्ट कर दिया। डेंगू नियंत्रण के लिए एंटी लार्वा केमिकल छिड़काव, लार्वा खाने वाली गम्बुसिया मछलियों का उपयोग और फॉगिंग अभियान भी चलाया जा रहा है।

एमपी में भीषण गर्मी का कहर, 37 जिलों में लू का अलर्ट जारी

भोपाल (म.प्र.)। मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी का कहर जारी, 37 जिलों में हीटवेव अलर्ट। खंडवा सबसे गर्म, कई शहरों में तापमान 45 डिग्री के पार पहुंचा।

मध्य प्रदेश में गर्मी अब लोगों के लिए सिर्फ एक समस्या नहीं, बल्कि आफत बनती जा रही है। शनिवार को कई शहरों में तापमान 45 डिग्री के ऊपर पहुंच गया। ऐसा हाल था कि दोपहर में सड़कें सुनसान हो गईं और लोग सिर्फ जरूरी काम के लिए ही घरों से बाहर निकले। MP Weather Alert के तहत मौसम विभाग ने प्रदेश के 37 जिलों में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। सबसे ज्यादा तापमान खंडवा में 45.1 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं, इंदौर, उज्जैन, रतलाम, धार और देवास में लू के लिए ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया गया है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, आने वाले दो से तीन दिनों तक गर्म हवाओं का प्रभाव और बढ़ सकता है। कई शहरों में रात का तापमान भी सामान्य से ज्यादा बना हुआ है, जिससे लोगों को राहत नहीं मिल रही। रात भर गर्म हवाएं चलने का सिलसिला लगातार जारी है।

कॉपी सही नहीं लिखने पर छात्र काव्य की टीचर ने की बेरहमी से पिटाई, इलाज के दौरान भोपाल एम्स में हुई मौत

दमोह (ए.)। दमोह के तेंदूखेड़ा में स्कूल छात्र काव्य नामदेव की मौत के बाद मामला गरमा गया है। परिजनों ने शिक्षिका पर बेरहमी से मारपीट का आरोप लगाया है। मासूम की मौत के बाद परिवार शव लेकर एसपी ऑफिस पहुंच गया और एसआईटी जांच की मांग की।

दमोह के तेंदूखेड़ा में छात्र से कथित मारपीट का मामला अब बेहद संवेदनशील और हाईप्रोफाइल बन गया है। भोपाल एम्स में जिंदगी और मौत से जूझ रहे नौ वर्षीय काव्य नामदेव ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। मासूम की मौत की खबर मिलते ही परिवार और समाज में आक्रोश फैल गया। बीती रात परिजन काव्य का शव लेकर सीधे पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंच गए और न्याय की मांग को लेकर वहीं धरने पर बैठ गए। एसपी ऑफिस के बाहर देर रात तक हंगामे जैसी स्थिति बनी रही।

बच्चे के हाथ-पैरों में डंडों से बेरहमी से मारपीट की थी

मृतक काव्य, दामोदर नामदेव का बेटा था और तेंदूखेड़ा स्थित आईईएस पब्लिक स्कूल में कक्षा तीसरी का छात्र था। परिजनों का आरोप है कि 19 फरवरी को स्कूल की शिक्षिका देवेंद्री ठाकुर ने कॉपी सही तरीके से नहीं लिखने पर बच्चे के हाथ-पैरों में डंडों से बेरहमी से मारपीट की थी। घर पहुंचने पर काव्य ने रोते हुए मां से कहा था, "मम्मी... मैडम ने बहुत मारा।" परिजनों के अनुसार बच्चे के शरीर पर चोट के निशान भी दिखाई दिए थे।

शिकायत के बाद भी नहीं हुई सख्त कार्रवाई

परिवार का आरोप है कि अगले दिन स्कूल पहुंचकर शिकायत करने के बावजूद मामले को गंभीरता से नहीं लिया गया। इसके बाद काव्य की तबीयत लगातार बिगड़ती चली गई। पहले उसे तेंदूखेड़ा अस्पताल ले जाया गया, फिर गंभीर हालत में जबलपुर के चिरायु अस्पताल रेफर किया गया। वहां सुधार नहीं होने पर उसे अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां वह करीब 12 दिन तक बेहोशी की हालत में रहा। बाद में 10 मार्च को उसे भोपाल एम्स में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

परिजनों का कहना है कि इलाज के दौरान वे लगातार पुलिस और प्रशासन के चक्कर लगाते रहे, लेकिन उन्हें संतोषजनक कार्रवाई नहीं मिली। उनका आरोप है कि तेंदूखेड़ा थाने में एफआईआर तो दर्ज की गई, लेकिन शिकायत के अनुरूप गंभीर धाराएं नहीं लगाई गईं।

शव लेकर एसपी ऑफिस पहुंचे परिजन

बच्चे की मौत के बाद गुस्साए परिजन देर रात शव लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंच गए और एसआईटी गठित कर निष्पक्ष जांच की मांग करने लगे। सूचना मिलते ही शनिवार सुबह कोतवाली थाना प्रभारी मनीष कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों से चर्चा कर वरिष्ठ अधिकारियों को पूरे मामले से अवगत कराया। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच अब एसआईटी के माध्यम से कराई जाएगी। साथ ही डॉक्टरों के पैनल से पोस्टमार्टम कराया जाएगा, ताकि मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके।

स्कूल संचालक ने दी सफाई

इधर, आईईएस पब्लिक स्कूल के संचालक विक्रम सिंह ने कहा कि आरोपी शिक्षिका को घटना के तुरंत बाद स्कूल से हटा दिया गया था। उन्होंने दावा किया कि स्कूल प्रबंधन लगातार परिवार के संपर्क में था और आर्थिक सहायता भी दी गई। हालांकि उन्होंने गंभीर मारपीट के आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि छात्र पहले से मिर्गी और मानसिक दौरे जैसी बीमारी से पीड़ित था।

'मैं सनातन विरोधी हो ही नहीं सकता': भाजपा विधायक के कहने पर दिग्विजय बोले- मैंने नर्मदा की परिक्रमा ली

इंदौर (ए.)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह शुक्रवार को एक दिवसीय दौरे पर इंदौर पहुंचे। इस दौरान रेसीडेंसी कोठी में उनकी मुलाकात भाजपा विधायक उषा ठाकुर से हुई। मुलाकात के दौरान भोजशाला मामले को लेकर दोनों नेताओं के बीच हल्की लेकिन दिलचस्प नोकझोंक देखने को मिली। बातचीत के दौरान दिग्विजय सिंह ने खुद को "घोर सनातन धर्म मानने वाला" बताया।

"मैं घोर सनातनी हूं"

मुलाकात के दौरान उषा ठाकुर ने भोजशाला मामले में आए फैसले को लेकर टिप्पणी की। इस पर दिग्विजय सिंह ने कहा कि वह घोर सनातन धर्म को मानने वाले व्यक्ति हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने नर्मदा परिक्रमा की है और एकादशी का व्रत भी रखते हैं। इस पर उषा ठाकुर ने कहा कि यदि वह पक्के सनातनी हैं, तो उन्हें सार्वजनिक रूप से इसे स्वीकार करना चाहिए और भोजशाला पर आए फैसले का सम्मान भी करना चाहिए। जवाब में दिग्विजय सिंह ने कहा, "तुम्हें कैसे मान लिया कि मैंने फैसले का विरोध किया है?"

शोक व्यक्त करने पहुंचे थे इंदौर

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह इंदौर में पूर्व विधायक अश्विन जोशी के निधन पर शोक व्यक्त करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और अन्य नेताओं से भी मुलाकात की।

'अब न्यायपालिका को 24 घंटे करना होगा काम': जबलपुर में बोले मुख्य न्यायधीश सूर्यकांत, एआई पर भी दिया जोर

जबलपुर (ए.)। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने जबलपुर में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट द्वारा आयोजित "फ्रैगमेंटेशन टू फ्यूजन, एम्पावरिंग जस्टिस वाया यूनाइटेड डिजिटल प्लेटफॉर्म इंटीग्रेशन" कार्यक्रम को संबोधित किया है। शनिवार को अपने संबोधन के दौरान न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने न्यायपालिका और आदमी को लेकर बड़ी बात कही है।

उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है जब न्यायपालिका को आम आदमी की पीड़ा, अपेक्षाओं और जरूरतों को तत्काल राहत देने वाली व्यवस्था के जरिए संबोधित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि न्यायिक व्यवस्था को 24 घंटे काम करने वाले अस्पतालों की तरह कार्य करना चाहिए।

हाईकोर्ट के नए डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का शुभारंभ हुआ

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि न्यायपालिका के समय की बर्बादी रोकने का सबसे प्रभावी समाधान तकनीक है। उन्होंने न्याय वितरण प्रणाली को तेज और प्रभावी बनाने के लिए तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित न्यायिक ढांचे को और मजबूत करने पर जोर दिया।इस दौरान उन्होंने हाईकोर्ट के नए डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का शुभारंभ भी किया।

उन्होंने कहा, "भारतीय न्यायपालिका न केवल 1990 से न्यायिक व्यवस्था का हिस्सा रही तकनीकी प्रगति का बेहतर उपयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि नवीनतम एआई तकनीकों का भी लाभ आम आदमी तक पहुंचाने के लिए प्रयासरत है। "सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, "हमें तकनीक और एआई आधारित न्यायिक ढांचे को और गहरा करने की जरूरत है। न्यायिक समय की बर्बादी का एकमात्र प्रभावी समाधान तकनीक ही है।"

उन्होंने कहा कि अब वह समय आ गया है जब न्यायपालिका को आम आदमी की आकांक्षाओं, आवश्यकताओं, दर्द और पीड़ा को तत्काल राहत देने वाली व्यवस्था के माध्यम से संबोधित करना होगा। इसके लिए न्यायपालिका को अस्पतालों की तरह 24 घंटे और सातों दिन कार्य करना चाहिए।

"महामारी के बीच न्यायपालिका ने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन किया"

कोविड-19 महामारी का जिक्र करते हुए सीजेआई ने कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी भारतीय न्यायपालिका ने अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन किया और इसकी वैश्विक स्तर पर सराहना हुई। उन्होंने कहा, "हमने अपने न्यायालय बंद नहीं किए थे।" उन्होंने बताया कि महामारी के दौरान तकनीक की मदद से अदालतों में जरूरी मामलों की सुनवाई जारी रखी गई। मुख्य न्यायाधीश ने न्याय वितरण प्रणाली को तेज करने के लिए तकनीकी प्रगति के अधिकतम उपयोग पर बल दिया।

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट द्वारा विकसित डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्रीय कानून एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के अनुसार, इन तकनीकी व्यवस्थाओं को पूरे देश में लागू किए जाने की आवश्यकता है।

हाथियों के आतंक के बीच 'गज रक्षक ऐप' बना ग्रामीणों का रियल हीरो, समय रहते बचीं कई जानें

शहडोल (ए.)। मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में पिछले कुछ वर्षों से जंगली हाथियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। हाथियों के हमलों में कई लोगों की जान जा चुकी है और ग्रामीण इलाकों में दहशत का माहौल बना रहता है। हाल ही में केशवाही वन परिक्षेत्र के गिरवा गांव में खेत पर बने मकान में सो रहे एक किसान को हाथी ने कुचलकर मार डाला था। अब वन विभाग का "गज रक्षक ऐप" ग्रामीणों के लिए सुरक्षा कवच बनकर सामने आ रहा है। यह ऐप हाथियों की लोकेशन और मूवमेंट की जानकारी समय रहते लोगों तक पहुंचाकर जनहानि रोकने में मदद कर रहा है।

गिरवा से अतरिया पहुंचा हाथी, पहले ही खाली हो गया गांव

जानकारी के अनुसार हाल ही में एक हाथी अनूपपुर सीमा से शहडोल जिले के केशवाही वन परिक्षेत्र में पहुंच गया था। हाथी ने गिरवा गांव में खेत पर बने घर में सो रहे किसान पर हमला कर उसकी जान ले ली थी। घटना के बाद हाथी अतरिया गांव की ओर बढ़ा, लेकिन इस बार बड़ा हादसा होने से पहले ही ग्रामीण सतर्क हो गए। गांव के लोगों ने समय रहते पूरी बस्ती खाली कर सुरक्षित स्थानों पर शरण ले ली।

भोजशाला में गूंजे पूजा-पाठ और हनुमान चालीसा के स्वर, हाईकोर्ट के फैसले के बाद पहली बार हुई आराधना

धार (ए.)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच द्वारा धार स्थित भोजशाला परिसर को देवी सरस्वती का मंदिर मानने के फैसले के बाद शनिवार को यहां पहली बार विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। भोज उत्सव समिति और बड़ी संख्या में श्रद्धालु परिसर पहुंचे, जहां हनुमान चालीसा का पाठ और पूजा संपन्न हुई।

मध्य प्रदेश के धार स्थित भोजशाला परिसर को मंदिर घोषित किए जाने के बाद शनिवार को यहां पूजा-अर्चना शुरू हो गई। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच द्वारा भोजशाला-कमाल मौला विवाद पर फैसला सुनाए जाने के बाद हिंदू पक्ष में खुशी का माहौल है। फैसले के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु भोजशाला परिसर पहुंचे और विधि-विधान से पूजा की।

हाईकोर्ट के फैसले के बाद पहली बार हुई पूजा

शनिवार सुबह भोज उत्सव समिति के पदाधिकारियों के साथ श्रद्धालु भोजशाला परिसर में एकत्र हुए। यहां पूरे धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने हनुमान चालीसा का पाठ भी किया। हाईकोर्ट के फैसले के बाद भोजशाला परिसर में यह पहली पूजा मानी जा रही है।

भोजशाला परिसर में पूजा के दौरान प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए परिसर और आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस और प्रशासन लगातार हालात पर नजर बनाए हुए हैं।

हाईकोर्ट ने भोजशाला को माना मंदिर

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने अपने फैसले में भोजशाला परिसर को मंदिर घोषित किया और हिंदू पक्ष को वहां पूजा करने का अधिकार दिया। अदालत ने उन याचिकाओं पर यह फैसला सुनाया, जिनमें भोजशाला परिसर हिंदुओं को सौंपने और परिसर में मुस्लिम पक्ष को नमाज पढ़ने से रोकने की मांग की गई थी।

शुक्रवार को जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी की खंडपीठ ने उस पुराने आदेश को भी रद्द कर दिया, जिसमें मुस्लिम पक्ष को भोजशाला परिसर में नमाज पढ़ने की अनुमति दी गई थी।

कोर्ट ने कहा - भोजशाला का धार्मिक स्वरूप मंदिर का

अपने फैसले में कोर्ट ने कहा कि भोजशाला परिसर और कमाल मौला मस्जिद का विवादित क्षेत्र एक संरक्षित स्मारक है। अदालत ने स्पष्ट कहा कि इस विवादित परिसर का धार्मिक स्वरूप भोजशाला का है, जहां देवी सरस्वती का मंदिर स्थित है। कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी माना कि ऐतिहासिक साहित्य और उपलब्ध साक्ष्यों से यह साबित होता है कि यह स्थान देवी सरस्वती को समर्पित मंदिर था। साथ ही यह जगह प्राचीन समय में संस्कृत शिक्षा के प्रमुख केंद्र के रूप में भी जानी जाती थी।

व्यापार समाचार

18700 रुपए किलो चांदी के दाम गिरे एक दिन में

-ई टी एफ में चांदी की गिरावट में चार बड़े कारण

मुंबई (ए.)। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी की कीमतों में एक ही दिन में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। घरेलू बाजार में चांदी करीब 18,700 रुपए प्रति किलो तक टूट गई, जिससे निवेशक और कारोबारी दोनों हैरान रह गए। वहीं सिल्वर ईटीएफ में भी करीब 9 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई। विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिका में ब्याज दरें बढ़ने की आशंका और डॉलर की मजबूती ने कीमती धातुओं पर दबाव बढ़ा दिया है।

जानकारों का कहना है कि महंगाई के आंकड़े उम्मीद से अधिक आने के बाद निवेशकों ने सुरक्षित निवेश के तौर पर डॉलर की ओर रुख किया। इसके चलते सोना और चांदी दोनों कमजोर हुए। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में औद्योगिक मांग घटने और बड़े निवेशकों की बिकवाली ने भी चांदी की कीमतों को नीचे खींचा। हालांकि बाजार विशेषज्ञ मानते हैं कि यह गिरावट लंबे समय तक नहीं रह सकती। औद्योगिक उपयोग और वैश्विक मांग बढ़ने पर आने वाले समय में चांदी में फिर तेजी देखने को मिल सकती है। फिलहाल निवेशकों की नजर अमेरिकी फेडरल रिजर्व की अगली नीति बैठक पर टिकी हुई है।

प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव ने चेताया: हवा-हवाई दांव से बचें बैंक, वित्तीय प्रणालियां आम आदमी से जुड़ीं रहे

नई दिल्ली (ए.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधान सचिव पीके मिश्रा ने शनिवार को वित्तीय बाजारों में अत्यधिक अटकलों और अस्थिरता के जोखिमों के प्रति आगाह किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि वित्तीय प्रणालियों को वास्तविक अर्थव्यवस्था और आम नागरिकों के जीवन से जुड़ा रहना चाहिए। मिश्रा पुणे में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बैंक मैनेजमेंट के 20वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अत्यधिक अटकलें, गैर-जिम्मेदाराना ऋण और अस्थिर उतार-चढ़ाव बड़ी बाधाएं पैदा कर सकते हैं। मिश्रा ने भारत के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की सराहना की। उन्होंने बताया कि इसने देश भर में बैंकिंग, डिजिटल भुगतान और औपचारिक ऋण तक पहुंच का विस्तार करके वित्तीय समावेशन को बदल दिया है। भारत ने दुनिया के सबसे महत्वाकांक्षी और समावेशी डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में से एक का निर्माण किया है।

उन्होंने जन धन खातों, आधार और मोबाइल कनेक्टिविटी की जेएएम त्रिमूर्ति को बैंकिंग प्रणाली की पहुंच को मौलिक रूप से नया आकार देने वाला बताया। प्रधानमंत्री जन धन योजना ने करोड़ों बैंक रहित नागरिकों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा। आधार ने एक अद्वितीय पैमाने पर सत्यापन योग्य डिजिटल पहचान की व्यवस्था बनाई। मोबाइल कनेक्टिविटी ने पहुंच की अंतिम परत प्रदान की।

डिजिटल क्रांति से वित्तीय समावेशन

मिश्रा ने भारत के डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र, विशेष रूप से एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) की तीव्र वृद्धि पर प्रकाश डाला। यूपीआई को दुनिया की सबसे बड़ी वास्तविक समय डिजिटल भुगतान प्रणालियों में से एक बताया गया। एक दशक से भी कम समय में भारत ने दुनिया का सबसे बड़ा वास्तविक समय डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र बनाया है। 2016-17 में केवल 2 करोड़ लेनदेन से, यूपीआई अब सालाना 25,000 करोड़ से अधिक लेनदेन संसाधित करता है।

TCS: 'एआई अब सिर्फ तकनीक नहीं, बना कारोबार का आधार', चंद्रशेखरन बोले- भारत बनेगा नया ग्लोबल हब

नई दिल्ली (ए.)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब व्यवसायों के लिए सिर्फ एक अतिरिक्त तकनीकी परत नहीं रह गया है, बल्कि यह तेजी से वैश्विक उद्यमों के लिए बुनियादी ढांचा बनता जा रहा है। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कंपनी की 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों को लिखे एक पत्र में यह बात कही है। एआई के दम पर शानदार वित्तीय नतीजे और नई भर्तियों में वापसी इस बात का संकेत है कि आईटी सेक्टर में बड़े बदलाव का दौर शुरू हो चुका है।

एआई और नई तकनीक से बंपर कमाई

चंद्रशेखरन ने बताया कि टीसीएस ने अपने ह्यूमन+एआई परेटिंग मॉडल के विस्तार में बड़ी सफलता हासिल की है।

बाजार में तूफान: पीएम मोदी की किफायत अपील और वैश्विक तनाव ने भारतीय शेयर बाजार को हिलाया

- शुरुआती भारी गिरावट के बाद शेयर बाजार में दिखी मामूली रिकवरी, रुपया भी रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचा

मुंबई (ए.)। बीता हफ्ता भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद उथल-पुथल भरा रहा, जो निवेशकों के धैर्य की कड़ी परीक्षा लेता दिखा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देश के लोगों से किफायत बरतने की अपील के बाद बाजार में भूचाल आ गया, जिससे शुरुआती कारोबारी दिनों में प्रमुख सूचकांकों में भारी गिरावट दर्ज की गई। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली ने इस गिरावट को और गहरा कर दिया। डॉलर के मुकाबले रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया, जो देश की आर्थिक चिंताओं को बढ़ा रहा था। हालांकि, हफ्ते के मध्य से बाजार में कुछ रिकवरी देखने को मिली, लेकिन शुक्रवार को हुई आखिरी सत्र की बिकवाली ने हफ्ते भर की बढ़त को आंशिक रूप से समाप्त कर दिया, जिससे बाजार का सफर एक रोलरकोस्टर राइड जैसा महसूस हुआ।

पीएम की अपील और बाजार में बड़ी गिरावट- पीएम की अपील और बाजार में बड़ी गिरावट हफ्ते की शुरुआत ही झटके के साथ हुई। प्रधानमंत्री मोदी की देशवासियों से किफायत बरतने की अपील का सीधा असर घरेलू शेयर बाजार पर दिखा। सोमवार को शुरुआती कारोबार में ही सेंसेक्स करीब 900 अंक तक टूट गया, वहीं निफ्टी भी 23950 के नीचे आ गया। दिनभर चली बिकवाली के कारण प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 1,312.91 अंक गिरकर 76,015.28 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 360.30 अंक लुढ़ककर 23,815.85 पर आ गया।

भू-राजनीतिक तनाव और रिकॉर्ड गिरावट- भू-राजनीतिक तनाव और रिकॉर्ड गिरावट सोमवार की गिरावट का सिलसिला मंगलवार को भी जारी रहा और बाजार पर दबाव और बढ़ गया। पश्चिम एशिया में जारी तनाव, अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत को लेकर अनिश्चितता और विदेशी निवेशकों की लगातार चौथे कारोबारी सत्र में बिकवाली ने बाजार को और नीचे धकेल दिया। शुरुआती कारोबार में ही सेंसेक्स 525.44 अंक और निफ्टी 164.5 अंक नीचे आ गया। दिन के अंत में सेंसेक्स 1,456.04 अंक की बड़ी गिरावट के साथ 74,559.24 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 436.30 अंक टूटकर 23,379.55 पर आ गया। गिरावट पर लगाम, बाजार में स्थिरता- दो दिनों की भारी बिकवाली के बाद बुधवार को बाजार में कुछ स्थिरता देखने को मिली।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

बच्चों में ऑनलाइन गेमिंग की लत

एक बड़ी समस्या बच्चों में ऑनलाइन गेमिंग की बढ़ी लत है। इसे कैसे नियंत्रित और अनुशासित किया जाए, इस चुनौती का सामना तमाम समाजों को करना पड़ रहा है। भारत में क्या किया जाए, यह महत्त्वपूर्ण सवाल है। ऑनलाइन गेमिंग को विनियमित करने का कानून पारित करने के लगभग एक साल बाद केंद्र ने इस पर अमल के नियम तय किए हैं। स्पष्टत: इनमें गेमिंग के हानिकारक असर और तकनीकी प्रगति के बीच संतुलन बनाने का प्रयास किया गया है। कहा जा सकता है कि इस कोशिश में सरकार काफी हद तक सफल है। ऑनलाइन गेमिंग प्रोत्साहन एवं विनियमन कानून मुख्य रूप से ऑनलाइन जुए को रोकने के लिए बनाया गया था। गेम के नाम पर तब सट्टेबाजी का धंधा इतने बड़े पैमाने पर फैलाया गया कि परिवारों के बर्बाद होने की खबरें आम हो गई थीं। इसका चस्का लगाने के लिए खास कर क्रिकेट मैचों को जरिया बनाया गया। इसीलिए जब सरकार ने उस पर रोक लगाई, तो समाज के विवेकशील तबकों ने राहत महसूस की। ये अच्छी बात है कि उद्योग जगत की भारी लॉबिंग के बावजूद सरकार अपने इरादे पर अडिग रही है। तय नियमों के तहत जिन गेम्स में पैसे का लेन-देन होता है, उन पर रोक लगी रहेगी। इनमें पोकर, रमी, फैंटेसी स्पोर्ट्स और दांव लगाने से संबंधित गेम शामिल हैं। बाकी ई-स्पोर्ट्स को वैध प्रतिस्पर्धा माना गया है। ऐसे गेम्स को डेवलप करने और संचालित करने पर सामान्यत: कोई रोक नहीं होगी। अगर किसी मामले में सरकार को लगता है कि उस गेम के हानिकारक प्रभाव हो रहे हैं, तो उस पर जरूर रोक लगाई जा सकेगी। इन पर निगरानी के लिए सूचना तकनीक मंत्रालय के तहत एक ऑनलाइन गेमिंग प्राधिकरण बनाया जाएगा। ये सारे नियम सही दिशा में हैं। लेकिन इन नियमों के दायरे से बाहर रह गई एक बड़ी समस्या बच्चों और किशोरों में ऑनलाइन गेमिंग की बढ़ी लत है। इसे कैसे नियंत्रित और अनुशासित किया जाए, इस चुनौती का सामना तमाम समाजों को करना पड़ रहा है। कुछ देशों में इसकी वैधानिक व्यवस्था की गई है, जिसमें इस रुझान को अनुशासित करने का दायित्व संचालक कंपनियों पर डाला गया है। भारत में इस दिशा में क्या किया जाए, यह महत्त्वपूर्ण सवाल है। लगे हाथ सरकार को इस बारे में भी चर्चा छेड़नी चाहिए थी। बहरहाल, अभी भी देर नही हुई है।

आखिर क्यों दिनोंदिन बढ़ रही है अपहरण की घटनाएँ ?

डॉ. चन्दर सोनाने

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (छब्त्ठ) द्वारा हाल ही में जारी आँकड़ों के अनुसार पिछले 70 साल में 20 लाख अपहरण के प्रकरण दर्ज किए गए हैं। किन्तु इसमें चैंकाने वाली बात यह है कि इन आँकड़ों में से 11 लाख अपहरण केवल पिछले 10 सालों में ही बढ़े हैं। यह गंभीर चिंताजनक बात है।

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो के आँकड़ों के अनुसार अपहरण की घटनाओं में तीन गुना वृद्धि हुई है। देश में अपहरण और लड़कियों को जबरन उठा ले जाने की घटनाएं पिछले एक दशक में अप्रत्याशित रूप से बढ़ी है। हाल ही में मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में एक आईएएस एकेडमी की निदेशक के अपहरण और 1 करोड़ 89 लाख रूपए की फिरौती के मामले ने प्रदेश और देश में सुरक्षा व्यवस्था पर अनेक सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्राप्त आँकड़ों के विश्लेषण से यह पता चलता है कि वर्ष 1953 से 2024 तक देश में कुल 20 लाख से अधिक अपहरण के मामले दर्ज किए गए हैं। इसमें चैंकाने वाला तथ्य यह है कि इन सात दशकों में कुल मामलों का 54 प्रतिशत हिस्सा यानी 11 लाख 24 हजार प्रकरण केवल पिछले एक दशक 2013 से 2024 के दौरान ही दर्ज हुए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कुल अपराधों में अपहरण की हिस्सेदारी वर्ष 1953 से 1962 के बीच 1.01 प्रतिशत थी। जो 2013 से 2024 के दौरान बढ़कर 3.04 प्रतिशत तक पहुँच गई। अपहरण के कारणों में सबसे बड़ा कारण विवाह के लिए महिलाओं को उठाना और सामान्य अपहरण है।

अपहरण के मामलों में राज्यों की तुलना करें तो उत्तरप्रदेश और महाराष्ट्र के बाद बिहार तीसरे नम्बर पर है। वर्ष 2024 के आँकड़ों में बिहार शीर्ष 6 राज्यों में सबसे नीचे दर्ज किया गया है। फिरौती के लिए किए जाने वाले संगठित अपहरण कुल मामलों का

केवल 0.7 प्रतिशत ही है।

उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार पिछले 7 दशकों में से प्रत्येक दशक में अपहरण और उसकी हिस्सेदारी इस प्रकार है - सन 1953 से 1962 के बीच 60,463 अपहरण हुए थे। कुल अपहरण में इसकी हिस्सेदारी 1.01 प्रतिशत ही थी। 1963 से 1972 के दशक में कुल 85,401 हुए। कुल अपहरण में इसकी हिस्सेदारी भी 1.01 प्रतिशत ही थी। 1973 से 1982 तक के दशक में 1,22,905 अपहरण हुए। कुल अपहरण में इसकी हिस्सेदारी 0.98 प्रतिशत थी।

सन 1983 से 1992 के दशक में कुल अपहरण 1,68,112 अपहरण हुए। कुल अपहरण में इसकी हिस्सेदारी 1.13 प्रतिशत थी। सन 1993 से 2002 के दशक में कुल अपहरण 2,17,949 हुए। कुल अपहरण में इसकी हिस्सेदारी 1.26 प्रतिशत थी। सन 2003 से 2012 तक के दशक में कुल अपहरण 3,05,438 हुए। कुल अपहरण में इसकी हिस्सेदारी 1.33 प्रतिशत थी। सन 2013 से 2024 के दौरान अपहरण की संख्या में अचानक तीन गुना वृद्धि हो गई ! इस दशक में कुल अपहरण 11,24,117 हुए। कुल अपहरण में इसकी हिस्सेदारी 3.04 प्रतिशत थी। ये आँकड़ें भयावह और चैंकाने वाले हैं। दिनोंदिन अपहरण की बढ़ती हुई संख्या चैंकाने वाली है। साथ ही आश्चर्यजनक भी है। जिस परिवार में किसी लड़की या लड़के का अपहरण होता है तो उस पर क्या गुजरती है, यह वहीं जानता है। पूरे परिवार की नींद उड़ जाती है। केन्द्र सरकार और राज्य सरकारों को चाहिए कि वे इन आँकड़ों को गंभीरतापूर्वक लें और योजनाबद्ध तरीके से अपहरण के बच्चे को न केवल ढूँढ निकाले, बल्कि भविष्य में अपहरण नहीं होने पाए, इसके लिए कठोर नियम बनावें, ताकि कोई किसी परिवार के दिन का चेन और रात की नींद खराब नहीं होने पाए।

(चिंतन-मनन) आत्मज्ञान के लिए पात्रता

एक बार की बात है। एक धनिक सेठ एक पहुंचे हुए संत के पास पहुंचा और उनसे बोला, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना का प्रयास करता हूं। परंतु मेरा मन ध्यान में एकाग्र ही नहीं हो पाता। आप मुझे मेरे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। धनिक सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और वहां पर तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ कि एक पहुंचे हुए संत उसके घर पधारेंगे। उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए अच्छे-अच्छे पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका बहुत स्वागत सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के पात्र में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। यह देखकर वह बोला, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं। कमंडल में तो कूड़ा-करकट भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, अपितु वह भी कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। सबसे पहले पात्रता विकसित करो, तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे हैं, तो वे आत्मज्ञान को आत्मसात कैसे कर पाएंगे? एकाग्रता भी तभी बनती है, जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर धनिक सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह शुद्ध आचरण से तथा परोपकार के द्वारा पहले अपने को सुपात्र बनाएगा, ताकि उसे आत्मज्ञान सहजता से प्राप्त हो सके।

कैद में करुणा : पंचेन लामा और तीन दशकों का सन्नाटा

निमिषा सिंह/

आज का मेरा यह आलेख उस बालक के नाम है जो आज 37 साल का हो चुका होगा, जो शायद आज भी किसी खिड़की से बाहर देखते हुए अपनी आज़ादी का सपना देखता होगा। यह उन हज़ारों माताओं के नाम है जिनके बच्चे उनसे दूर सरकारी इमारतों में अपनी पहचान खो रहे हैं। इतिहास की क्रूरता अक्सर उन पन्नों में दर्ज होती है जहाँ सत्ता अपनी असुरक्षा को छिपाने के लिए मासूमियत का गला घोंट देती है। आज से ठीक इकतीस वर्ष पूर्व, जब हिमालय की चोटियों पर बर्फ पिघल रही थी, तब छह वर्षीय गेधुन चोएक्यी न्यिमा—जिन्हें 11वें पंचेन लामा के रूप में पहचाना गया था उन्हे चीनी तंत्र द्वारा अपनी गिरफ्त में ले लिया गया। यह केवल एक बच्चे का अपहरण नहीं था, बल्कि एक सोची-समझी रणनीतिक घेराबंदी थी, जिसका उद्देश्य तिब्बत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रीढ़ को तोड़ना था। व्यावहारिक रूप से समझें तो चीन के लिए पंचेन लामा का पद मात्र धार्मिक नहीं, बल्कि राजनीतिक नियंत्रण का एक अनिवार्य उपकरण है। तिब्बती परंपरा के अनुसार, पंचेन लामा ही अगले दलाई लामा की पहचान और पुष्टि करने में मुख्य भूमिका निभाते हैं। ऐसे में, पंचेन लामा को गायब कर और उनके स्थान पर अपनी पसंद का कठपुतली चेहरा बिठाकर,चीनी कम्युनिस्ट पार्टी भविष्य के दलाई लामा की चयन प्रक्रिया को पूरी तरह अपने नियंत्रण में लेना चाहती है। यह आध्यात्मिक उत्तराधिकार पर एक ऐसा राजनीतिक कब्ज़ा है, जिससे आने वाले दशकों में तिब्बत के भीतर विद्रोह के स्वर को जड़ से खत्म किया जा सके। चीन जानता है कि पंचेन लामा और दलाई लामा का रिश्ता गुरु-शिष्य का है और एक-दूसरे के पुनर्जन्म को पहचानने में उनकी भूमिका निर्णायक होती है।

देश की मेडिकल प्रवेश परीक्षा के पेपर लीक, प्रतिभा पर गिद्धों का डेरा।

अजय दीक्षित

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की नीट परीक्षा (नेशनल एंट्रेंस एलिजिबिलिटी टेस्ट) का पेपर लीक होने के कारण परीक्षा रद्द करदी गई है।यह नीट परीक्षा देश भर के 22 लाख परीक्षार्थियों ने 3 मई को देश भर के 1500 से अधिक केंद्रों पर दी थी।इस मामले से यह साबित हो गया है कि देश में प्रतिभा पर गिद्धों का डेरा है।अबकी बार इन गिद्धों रूपी मांगीलाल और दिनेश रीयल सेक्टर के जयपुर के कारोबार से जुड़े ने नासिक एक बेहद प्रतिष्ठित प्रेस से पूरा पेपर 30 लाख में खरीदा और उसे सबसे पहले अपने पुत्र को सीकर में उपलब्ध करवाया। उसके बाद जयपुर से महाराष्ट्र, गोवा, ओडिशा, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, असम, पश्चिमी बंगाल, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना,में विभिन्न ठिकानों पर लाखों रुपए में बेच कर लगभग 10 करोड़ रुपए वसूल किए।

ये पेपर 26,27 अप्रैल को खरीदा गया। चुकी सॉफ्ट कॉपी में था इसलिए एक दिन में ही पूरे भारत में सर्कुलेट हो गया था।

सबसे पहले जयपुर में पुलिस को एक गैस पेपर मिला जो 420 प्रश्न का था उसमें केमिस्ट्री के 120 प्रश्न हू ब हु ओरिजनल पेपर में थे ।एक कोचिंग यह जारी किया था तब पुलिस का माथा ठनका तो मालूम हुआ कि पूरा पेपर ही कई विद्यार्थी पर था ।इस पर केंद्रीय मंत्री शिक्षा धर्मेंद्र प्रधान ने संज्ञान लिया और जांच कराई तो पाया

कि पूरे देश में व्हाट्सएप के जरिए फेल गया ।कई लोगों ने पच्चीस हजार में खरीदा। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने सीबीआई की रिपोर्ट पर परीक्षा रद्द कर दी। सीबीआई अभी जांच कर रही है बताया जाता है कि पूरे देश में 100 से अधिक लोग गिरफ्तार कर लिए गए हैं।

यह दूसरा मौका जब एनटीए की नीट परीक्षा पर प्रश्न लग रहे हैं इससे पूर्व 2024 की परीक्षा पर भी सवाल उठे थे।

दरअसल देश में एक तबका ऐसा है कि उसे अपने बच्चों डॉक्टर बनाना है क्योंकि मेडिकल डॉक्टर की आय का कोई ठिकाना नहीं है।देश में कुल निजी और सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एक लाख सीट है और 22 लाख परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी।यानि कड़ी प्रतियोगिता है।इस लिए लोग गलत रास्ते अपनाते हैं । दिनेश और मांगीलाल के घर चार बच्चों को ,2024, में प्रवेश मिला है।

मेडिकल प्रवेश परीक्षा पर हमेशा से ही गिद्धों की नजर रही है।इन गिद्धों में दलाल, राजनेता,नौकरशाह शामिल रहे हैं।इनका जाल राज्यों की यूपीएससी, सीएससी,कुछ हद तक यूपीएससी,सेना भर्ती तक फैला हुआ है। मेडिकल प्रवेश परीक्षा भी इसमें शामिल है। बताया जाता है कि ये लोग सबसे पहले पेपर सेटर से बात करते हैं फिर पता लगाते हैं कि पेपर किस प्रेस में प्रकाशित हो रहा है।बस यही एक कमजोर कड़ी से सॉफ्ट कॉपी प्राप्त करते हैं। और मनमाने तरीके से बेच देते हैं।इसमें प्रतिभा शील छात्र पीछे रह जाते हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय इन पेपर को कलेक्टर के हवाले कर देते हैं और कलेक्टर इन्हें कोतवाली में रख देता है मगर

रात को ही लिफाफे को खोल कर पेपर को फोटो कॉपी कर या पीडीएफ बनाकर सर्कुलेट करदेते है। नेटवर्क इतना तगड़ा है कि प्रत्येक राज्य, महानगर,बड़े शहरों से जिले मुख्यालय तक पहुंचा ही नहीं देते बल्कि रात में ही ऑनलाइन पैसा भी ट्रांसफर कर दिया जाता है।

मेष राशि:मेष राशि वालों के लिए आज का दिन उत्साहवर्धक रहेगा है। आपके व्यापार में पहले से सुधार आयेगा, जिससे आपको आपका मानसिक सुकून मिलेगा। पारिवारिक जीवन में चल रही अनबन से मुक्ति मिल जाएगी, जिससे पारिवारिक परिवेश अच्छा होगा। नर्सिंग कर रहे छात्रों को उनके करियर में सफलता मिलने के योग बन रहे है।

वृषभ राशि: वृषभ राशि वालों आज आपका दिन आपके परिवार के लिए खुशियां लाने वाला है। परिवार में आपके अच्छे काम की तारीफ़ होगी। महिलाओं के लिए आज का दिन बेहद खास रहने वाला है। आज आपके पास बिजनेस को आगे बढ़ाने का अच्छा मौका है।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज आपका दिन इनोवेटिव रहने वाला है। घर खरीदने का विचार कर रहे लोगों के लिए आज का दिन शुभ है। आज आपका मन घरेलू काम काज में लगेगा। आपको किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका मिल सकता हैं। रिसर्च स्कालर्स के लिए आज का दिन बहुत शुभ है, आज इन्हें डॉक्टरेट की उपाधि मिल जाएगी।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज आपका दिन की शुरुआत अच्छे मूड से होगी। किसी रुके काम को पूरा करने का आज सही समय है। सिविल इंजीनियर्स के लिए दिन बहुत बेहतरीन रहेगा। जॉब की तलाश कर लोगों को अच्छी नौकरी मिलने के योग हैं। वैवाहिक रिश्ते मजबूत होंगे, परिवार के साथ अच्छा टाइम स्पेंड करेंगे।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज आपका दिन शांत पूर्ण रहेगा। आज आपकी मुलाक़ात किसी अजनबी से होगी, जिससे आप जीवन में कुछ अनोखी सीख मिलेगी। आपकी कड़ी मेहनत से लोग आपसे जरुर प्रभावित होंगे और आपका अनुसरण करेंगे। आज आप ऑफिस के किसी काम में उलझे रहेंगे।

कन्या राशि: कन्या वालों आज आपका दिन नई उम्मीदों के साथ शुरू होने वाला है। आज आपकी सूझ-बूझ से अपने लक्ष्य के करीब बढ़ रहे हैं। पशुओं की सेवा करने का अवसर मिलेगा। आर्थिक समस्या से परेशान लोगों को राहत मिलेगी। आज आप जीवनसाथी के लिए नई ज्वेलरी खरीद सकते हैं, जीवन में आनंद बढ़ेगा। डॉक्टर्स के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आज आपका मन शांत व संतुष्ट रहेगा।

तुला राशि: तुला राशि वालों के लिए आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज किसी बड़ी कंपनी से आपके लिए जॉब का ऑफर आ सकता है। आज आप कोई नया हुनर सीखने की योजना बनाने वाले हैं। पारिवारिक सदस्य की बहुत महत्वपूर्ण सलाह की मदद से जीवन की कुछ समस्या के हल निकाल पाएंगे।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप किसी जरूरी काम से बाहर जा सकते हैं, अपना जरूरी सामान रखना न भूलें। आज आपके बिजनेस में प्रॉफिट होने के आसार दिख रहे है। फ्रेंड्स के साथ ट्रिप पर जाने का प्लान बना सकते हैं। आज काम शुरू करने से पहले अपने बड़ों का आशीर्वाद अवश्य लें, रिश्ते में आ रही परेशानियों से आपको छुटकारा मिलेगा।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज आपका दिन सामान्य रहेगा। वर्क-फील्ड में आज आपको सहयोगियों से मदद मिलेगी। घर से दूर रहकर पढ़ाई कर रहे स्टूडेंट्स आज माता-पिता से मिल सकते हैं। किसी कंपनी में कार्य कर रहे कर्मचारियों की सैलरी में इन्क्रीमेंट होने की सम्भावना है। किसी अच्छे कॉलेज से जॉब का प्रपोजल आ सकता है।

मकर राशि वालों आज आपका दिन बेहद खुशहाल रहने वाला है। आज अपने बिजनेस को आगे बढ़ाने की नयी योजना बनायेंगे, जिससे आपकी कामयाबी आसमान की बुलंदियों पर होगी। आपकी मुलाकात बचपन के किसी दोस्त से होगी, आपकी पुरानी यादें ताजा होंगी। आमोद-प्रमोद में आपका ज्यादा मन लगेगा। अर्थराईटिस की परेशानी से जुड़े लोगों को आज राहत मिलेगी। आज परिवार में सुख-शांति का माहौल बना रहेगा।

कुंभ राशि: कुंभ राशि वालों आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आपके दोस्त आपसे मदद की गुहार करेंगे, आप उन्हें निराश नहीं करेंगे। आलस छोड़ें और अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से निभाए। निश्चित ही आपको सुखद परिणाम मिलेंगे।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज आपका दिन खुशनुमा पलों से भरा रहेगा। आज परिवार से खुशखबरी मिलेगी। ईश्वर की कृपा से आज आपके सभी काम सफल होंगे। आज आपको अपने काम में ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। आपको प्रोजेक्ट में अपने कलीग की मदद मिलेगी।

चिंतन शिविर: साझा दृष्टिकोण के ज़रिए भारत में खेलों के भविष्य को दिशा देना

पुलेला गोपीचंद

दो चिंतन शिविरों का हिस्सा बनने का अवसर प्राप्त करने के बाद, मैं भरोसे के साथ कह सकता हूँ कि यह आज भारतीय खेल जगत की सबसे सामयिक और असरदार पहलों में से एक है। हम अपने राष्ट्र की खेल यात्रा के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं, एक ऐसा मोड़ जहाँ इरादा, निवेश और प्रेरणा अभूतपूर्व रूप से एक साथ मिल रहे हैं।

पिछले एक दशक में, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारत में खेल हाशिये से मुख्यधारा में आ गया है। इसके महत्व के प्रति भी साफ तौर पर राष्ट्रीय जागरूकता देखी जा सकती है, न केवल एक प्रतिस्पर्धी गतिविधि के रूप में, बल्कि स्वास्थ्य, अनुशासन और राष्ट्रीय गौरव के साधन के रूप में भी। आज, हम एक विशाल और विविध तंत्र देख रहे हैं, जहां राज्य सरकारें, गैर-सरकारी संगठन, निगम, संघ और ज़मीनी स्तर के संस्थान सभी मिलकर खेलों के विकास में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं।

चिंतन शिविर की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह सभी हितधारकों को एक साझा मंच पर लाता है। खेल अपने आप में कई क्षेत्रों से जुड़ा हुआ है, जिनमें विनिर्माण, मनोरंजन, फिटनेस, मीडिया और शिक्षा शामिल हैं। यह शिविर इन सभी क्षेत्रों को एक साथ लाने में मदद करता है, जिससे एक साझा दृष्टिकोण बनता है, जो दीर्घकालिक सफलता के लिए बेहद ज़रुरी है। यह देश के सामूहिक दृष्टिकोण को सामने लाता है और साथ ही विभिन्न राज्यों की सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रदर्शित करता है, जिससे अनुकरण और नवाचार को भी प्रोत्साहन मिलता है।

चिंतन शिविर महज एक सम्मेलन से कहीं बढ़कर, एक शिक्षण तंत्र है। यह इसमें शामिल होने वाले लोगों को विचारों का आदान-प्रदान करने, चुनौतियों को समझने और मिलकर समाधान विकसित करने का अवसर देता है। यह एक शक्तिशाली प्रेरक के रूप में भी काम करता है, सफलता की तमाम कहानियों को सामने लाता है और इस विचार को और पुख्ता करता है कि भारत में खेल महज़ विशिष्ट पदकों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें भागीदारी, समावेशिता और राष्ट्र निर्माण भी शामिल है।

फिट इंडिया मूवमेंट जैसी पहल, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन और साइक्लिंग प्रतियोगिताओं जैसी सामुदायिक गतिविधियों ने खेल के प्रति हमारे नज़रिए को नया रूप दिया है। आज के वक्त में जोर "सभी के लिए खेल" के साथ-साथ, उच्चतम स्तर पर उत्कृष्टता पर है। पदक जीतने की आकांक्षाएं और व्यापक भागीदारी अब अलग-अलग मुद्दे नहीं हैं, बल्कि वे एक ही प्रक्रिया का हिस्सा हैं।

श्रीनगर में शिविर का आयोजन करने से इसका महत्व और भी बढ़ गया है। इस शहर की शांत सुंदरता न केवल खेलों की विचारधारा के लिए एक मनोरम पृष्ठभूमि प्रदान करती है, बल्कि शांत चिंतन का भाव भी देती है, जो सार्थक संवाद के लिए बेहद ज़रुरी है।

इस चिंतन शिविर का एक अहम केंद्र बिंदु श्रीनगर खेल संकल्प को अपनाना था। यह संकल्प महज़ एक आशय का दस्तावेज़ नहीं, बल्कि यह एक एकीकृत ढांचा है, जो भारतीय खेल जगत के सभी हितधारकों की आकांक्षाओं को एक साथ बांधता है। साझा लक्ष्यों, प्राथमिकताओं और जिम्मेदारियों को स्पष्ट रूप से रेखांकित करके, यह एक ऐसा रोडमैप तैयार करता है, जो विखंडन के बजाय सहयोग को प्रोत्साहित करता है।

श्रीनगर खेल संकल्प की असली ताकत विभिन्न भागीदारों—सरकारों, संघों, निजी क्षेत्र और नागरिक समाज को एक मंच पर लाने की क्षमता में निहित है। यह इस विचारधारा को और पुख्ता करता है कि भारत के खेल जगत का उत्थान अलग-थलग प्रयासों से नहीं हो सकता।

इसके बजाय, इसे एक समन्वित, सहयोगात्मक दृष्टिकोण से संचालित किया जाना चाहिए, जहां संसाधनों, ज्ञान और विशेषज्ञता को एक साथ लाया जाए।

भारत को 2036 तक ओलंपिक खेलों में शीर्ष 10 देशों में शामिल होने की अपनी दीर्घकालिक महत्वाकांक्षा को प्राप्त करने के लिए यह समन्वय बेहद महत्वपूर्ण है। विश्व स्तरीय एथलीट तैयार करने के लिए न केवल प्रतिभा की ज़रुरत होती है, बल्कि एक सुचारू तंत्र की भी आवश्यकता होती है, जिसमें जमीनी स्तर पर पहचान, वैज्ञानिक प्रशिक्षण, बुनियादी ढांचा, उत्कृष्ट कोचिंग, प्रतिस्पर्धा का अनुभव और निरंतर वित्तीय एवं संस्थागत समर्थन शामिल हैं। संकल्प वही रणनीतिक कड़ी है, जो इन सभी तत्वों को एक सुसंगत प्रणाली में जोड़ सकता है।इन वार्ताओं से जो बात सबसे अधिक उभरकर सामने आई है, वह है इस व्यवस्था में मौजूद आशावाद। सभी का यह मानना है कि भारत का खेल भविष्य उज्ज्वल है और सहयोग से हम एक सशक्त, समावेशी और उच्च प्रदर्शन वाली खेल संस्कृति का निर्माण कर सकते हैं।चिंतन शिविर कई मायनों में एक अनूठा प्रयोग है, लेकिन यह पहले से ही सफल साबित हो रहा है। यह संवाद, समन्वय और आपसी समझ के महत्व को दर्शाता है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश के लिए, ऐसे मंच न केवल लाभकारी हैं, बल्कि आवश्यक भी हैं।अगर हम वैश्विक खेल मंच पर अपनी महत्वाकांक्षाओं को सही मायने में साकार करना चाहते हैं, तो इन संवादों का जारी रहना और इन्हें सामूहिक कार्रवाई से मदद मिलना भी ज़रुरी है।

श्रीनगर खेल संकल्प हमें वह दिशा प्रदान करता है। चिंतन शिविर हमें वह मंच प्रदान करता है। ये दोनों मिलकर भारत को अपनी खेल संबंधी आकांक्षाओं को स्थायी ओलंपिक सफलता में बदलने के लिए एक सशक्त आधार प्रदान करते हैं।

(लेखक भारतीय राष्ट्रीय बैडमिंटन टीम के मुख्य राष्ट्रीय कोच हैं)

हरियाणा : झज्जर में युवक की 20 से ज्यादा गोलियां मारकर हत्या, हमलावरों ने घर के बाहर घेर कर मारा

झज्जर (आरएनएस)। हरियाणा के झज्जर जिले में गैंगवार के चलते एक युवक की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान हितेश उर्फ गुल्लू निवासी गांव सुबाना के रूप में हुई। वारदात उस समय हुई, जब हितेश अपने घर के बाहर मौजूद था।

इसी दौरान बोलेरो गाड़ी में सवार होकर आए 3 से 4 युवकों ने आते ही उसे घेर लिया और ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। मौके पर 20 से 25 राउंड फायरिंग की गई। गोलियां लगने से हितेश की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद हमलावर हथियार लहराते हुए वहां से फरार हो गए। वारदात के बाद गांव में दहशत का माहौल बन गया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल से सबूत जुटाए। पुलिस के मुताबिक, मामला पुरानी रंजिश का है। एक आरोपी की पहचान हो गई है, जिस पर मृतक पक्ष की ओर से कुछ दिन पहले फायरिंग की गई थी। मामला गैंगवार से जुड़ा माना जा रहा है। पता किया जा रहा है कि दोनों किस गैंग से जुड़े हैं। मामले में एक आरोपी की पहचान डीकेश कुमार निवासी गिरधरपुर के रूप में बताई जा रही है। पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस हर एंगल से मामले की जांच में जुटी है और जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी कर लिया जाएगा।

रॉबर्ट वाड्रा राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश, शिकोहपुर लैंड डील केस में मिली जमानत

नई दिल्ली (आरएनएस)। गुरुग्राम स्थित शिकोहपुर लैंड स्कैम से जुडे मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में आरोपी रॉबर्ट वाड्रा को राऊज एवेन्यू कोर्ट ने जमानत दे दी। वाड्रा को कोर्ट ने 50 हजार रुपए के निजी मुचलके यानी बेल बॉन्ड और इतनी ही रकम का एक जमानतदार यानी श्योरिटी पेश करने पर जमानत मंजूर की।

वाड्रा आज राऊज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुए। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने वाड्रा के खिलाफ दाखिल ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान लेकर रावर्ट वाड्रा को समन किया था। सुनवाई के दौरान वाड्रा के वकील ने कहा कि जमानत पर कोई सवाल नहीं बनता, क्योंकि हम कभी गिरफ्तार नहीं हुए थे कि हमें रिलीज यानी रिहा कर दिया जाए।

प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (PMLA) के तहत इस जमीन सौदे की जांच कर रही है। कोर्ट के निर्देशानुसार, वाड्रा को राहत के लिए जमानत बांड और मुचलका जमा करना अनिवार्य था। ईडी ने कोर्ट को कहा कि मामले में आगे की जांच को लेकर विस्तृत रिपोर्ट दाखिल की जाएगी। राउज एवेन्यू कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 10 जुलाई के लिए तय की है।

बता दें, यह मामला शिकोहपुर लैंड स्कैम से जुड़ा है। इसमें रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी का नाम प्रमुखता से सामने आया था। ईडी का आरोप है कि डील के जरिए रावर्ट वाड्रा और उनसे जुड़ी कंपनियों ने बड़े पैमाने पर पैसों की हेराफेरी की। जांच के बाद एजेंसी ने 17 जुलाई 2025 को अदालत में चार्जशीट दाखिल की थी।

पश्चिम बंगाल में वोट लूटने के बाद अब पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाकर जनता को लूट रही है भाजपा : अमन अरोड़ा

चंडीगढ़ (आरएनएस)। पंजाब के कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और एलपीजी की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर प्रहार करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने आम लोगों, किसानों और छोटे कारोबारियों पर महंगाई का नया बोझ डाल दिया है, जबकि कुछ चुनिंदा कॉरपोरेट घरानों को फायदा पहुंचाया जा रहा है।

श्री अरोड़ा ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 12 साल पहले किए गए बड़े-बड़े वादों के बावजूद आज पूरा देश महंगाई से परेशान है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने एक बार फिर ईंधन की कीमतें बढ़ाकर जनता को आर्थिक संकट में धकेल दिया है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल चुनाव खत्म होते ही केंद्र सरकार ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 943 रुपये की बढ़ोतरी कर दी। इसके साथ ही पेट्रोल 3.14 रुपये प्रति लीटर, डीजल 3.11 रुपये प्रति लीटर और सीएनजी 2 रुपये महंगी कर दी गई।

श्री अरोड़ा ने कहा कि भाजपा चुनावों के दौरान जनकल्याण की बातें करती है, लेकिन वोट हासिल करने के बाद जनता की मेहनत की कमाई लूटने लगती है। उन्होंने आरोप लगाया कि ये मूल्य वृद्धि केवल सत्ताधारी दल के करीबी कुछ कॉरपोरेट घरानों को लाभ पहुंचाने के लिए की जा रही है। उन्होंने भाजपा के चुनावी वादों पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार ने हर नागरिक के खाते में 15 लाख रुपये भेजने, दो करोड़ नौकरियां देने और किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था, लेकिन इसके बजाय किसानों पर महंगाई और बढ़ती ईंधन कीमतों का बोझ बढ़ा दिया गया।

पंजाब के कृषि क्षेत्र पर असर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि धान की बुआई के दौरान डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी का सीधा असर किसानों पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सिंचाई के लिए किसानों को भारी मात्रा में पानी और ईंधन की जरूरत होती है, ऐसे में डीजल महंगा होने से खेती की लागत बढ़ जाएगी।

पाकिस्तान में जल प्रलय तय!, सिंधु के बाद दोहरी मार, कश्मीर में अब दो नई सुरंगों पर काम कर रहा भारत

नई दिल्ली (आरएनएस)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान को लेकर अपनी रणनीति और सख्त कर दी है। एक ओर भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान को आतंकवाद के मुद्दे पर घेरने में जुटा है, वहीं दूसरी ओर जल संसाधनों और हाइड्रोपावर क्षमता को मजबूत करने की दिशा में भी तेजी से कदम बढ़ाए जा रहे हैं।

केंद्र सरकार ने सिंधु जल संधि को फिलहाल स्थगित रखने का फैसला लेकर यह संकेत दिया है कि सीमा पार आतंकवाद और जल सुरक्षा जैसे मुद्दों पर अब भारत पहले से अधिक आक्रामक रुख अपनाएगा।

सरकार से जुड़े सूत्रों के अनुसार, पिछले एक वर्ष से पश्चिमी नदियों पर जल प्रबंधन और हाइड्रोपावर इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए शॉर्ट, मीडियम और लॉन्ग टर्म योजनाओं पर काम चल रहा है। इसका उद्देश्य भारत के हिस्से के पानी का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करना और भविष्य की जरूरतों के लिए जल भंडारण क्षमता बढ़ाना है।

इसी रणनीति के तहत सलाल डैम में बड़े स्तर पर डी-सिल्टिंग यानी गाद हटाने का काम शुरू किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, एनएचपीसी ने ड्रेजिंग ऑपरेशन शुरू कर दिया है और इस वर्ष से बड़े पैमाने पर सिल्ट फ्लशिंग भी की जाएगी। यह अभियान अगले तीन से चार वर्षों तक जारी रह सकता है।

सूत्रों के अनुसार, हर साल लगभग 40 से 50 मिलियन क्यूबिक मीटर गाद हटाने का लक्ष्य तय किया गया है। इससे जलाशय की क्षमता बढ़ेगी, पानी

के बेहतर भंडारण में मदद मिलेगी और बिजली उत्पादन की दक्षता में भी सुधार होगा।

भारत पश्चिमी नदियों पर अपनी हाइड्रोपावर क्षमता को भी तेजी से बढ़ा रहा है। वर्तमान में एनएचपीसी 2,219 मेगावाट क्षमता की परियोजनाओं का संचालन कर रही है, जबकि 3,514 मेगावाट क्षमता की नई परियोजनाएं निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं।

अधिकारियों का कहना है कि इन परियोजनाओं से स्थानीय लोगों को भी बड़े स्तर पर लाभ मिल रहा है। जिन राज्यों में हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट लगाए जाते हैं, उन्हें परियोजनाओं से 12 प्रतिशत मुफ्त बिजली दी जाती है। इसके अलावा प्रत्येक बड़ी परियोजना से करीब 5,000 से 6,000 लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलता है। निर्माण कार्य में लगभग 80 प्रतिशत कर्मचारी स्थानीय राज्यों से ही जुड़े होते हैं।

जम्मू-कश्मीर में तैयार होने वाली स्वच्छ और हरित ऊर्जा का उपयोग केवल स्थानीय जरूरतों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे उत्तर भारत समेत देश के कई हिस्सों में सप्लाई किया जा रहा है। इससे राष्ट्रीय पावर ग्रिड को भी मजबूती मिल रही है।

सूत्रों ने बताया कि व्यापक जल प्रबंधन रणनीति के तहत प्रस्तावित दो सुरंग परियोजनाओं के सर्वे का काम पूरा हो चुका है। फिलहाल उनकी व्यवहार्यता रिपोर्ट का अध्ययन किया जा रहा है, जिसके बाद आगे का निर्णय लिया जाएगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि पहलगाम हमले के बाद भारत आतंकवाद के खिलाफ केवल सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर ही नहीं, बल्कि जल और ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में भी दीर्घकालिक रणनीतिक बढ़त बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

(रायपुर) सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज कोरबा जिले के लेमरू पहुंचकर प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के हितग्राही धरम सिंह के नव निर्मित आवास का उद्घाटन एवं गृह प्रवेश कराया।

लॉजिस्टिक्स सुगमता में दिल्ली अव्वल, सीएम रेखा गुप्ता बोलीं- राजधानी के लिए गर्व का क्षण

पीएम गतिशक्ति से मेट्रो-कार्गो तक- दिल्ली बनी देश का आधुनिक लॉजिस्टिक्स हब

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा कि विभिन्न राज्यों में लॉजिस्टिक्स की सुगमता (Logistics Ease Across Different States) (LEADS) 2025 इंडेक्स में राजधानी दिल्ली को देश की सर्वोच्च अनुकरणीय (इग्जेम्प्लर) श्रेणी में जगह मिली है। उन्होंने इसे दिल्ली के लिए गर्व का विषय कहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि दिल्ली सरकार द्वारा लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने, मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी बढ़ाने, व्यापार सुगमता को बेहतर बनाने और टेक्नोलॉजी आधारित प्रशासन को बढ़ावा देने के निरंतर प्रयासों का परिणाम है।

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि लीड्स इंडेक्स राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का मूल्यांकन लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स सेवाएं, नियामकीय व्यवस्था, डिजिटल इंटीग्रेशन, स्थिरता और हितधारकों की धारणा जैसे प्रमुख मानकों पर करता है। इस इंडेक्स में राज्यों और केंद्र शासित

प्रदेशों को चार श्रेणियों, इग्जेम्प्लर, हाई परफॉर्मर, एक्सेलरेटर्स और ग्रोथ सीकर्स में रखा जाता है, जिनमें 'इग्जेम्प्लर' सबसे ऊंची श्रेणी है। दिल्ली ने लगातार प्रगति करते हुए लीड्स 2023 और 2024 में 'अचीवर' श्रेणी से आगे बढ़कर इस वर्ष देश में सर्वोच्च स्थान हासिल किया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार ने प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना के तहत सिटी लॉजिस्टिक्स प्लान तैयार किया है, जिसे मंजूरी मिल चुकी है और जल्द ही अधिसूचित किया जाएगा। इससे शहरी माल परिवहन, अंतिम चरण की डिलीवरी व्यवस्था और शहरी फ्रेट मैनेजमेंट को अधिक व्यवस्थित बनाया जाएगा।

तमिलनाडु में सीएम विजय की सुरक्षा का जिम्मा धर्मराजन को सौंपा

डीआईजी धर्मराजन अब कोर सेल विशेष सुरक्षा इकाई का नेतृत्व संभालेंगे

चेन्नई (ईएमएस)। तमिलनाडु में सीएम की कुर्सी बैठने के बाद टीवीके चीफ थलपति विजय सुर्खियों में हैं। विजय ने सीएम बनने के बाद राज्य सरकार ने ब्यूरोक्रेसी में बदलाव किया है। इसमें 2009 बैच के आईपीएस धर्मराजन को सीएम की सुरक्षा का दायित्व सौंपा है। आईपीएस धर्मराजन सीएम विजय के सुरक्षा अधिकारी में नियुक्त होने के बाद चर्चा में आ गए हैं। खुफिया विभाग के डीआईजी के रूप में नियुक्त, धर्मराजन सीएम की सुरक्षा शाखा के प्रमुख के तौर पर कार्य करेंगे। धर्मराजन अब कोर सेल नामक विशेष सुरक्षा इकाई का नेतृत्व संभालेंगे। यह बल है जिसे विशेष रूप से सीएम की सुरक्षा के लिए गठित किया गया है।

बता दें आईपीएस धर्मराजन रामनाथपुरम के परमाकुडी से ताल्लुक रखने वाले धर्मराजन का जन्म एक साधारण परिवार में हुआ था। अपनी असाधारण प्रतिभा और दृढ़ लगन के बल पर और अनेक बाधाओं को पार करते हुए, उनका सीधे आईपीएस अधिकारी के रूप में चयन हुआ। साल 2009 बैच के आईपीएस धर्मराजन अपनी पिछली सभी नियुक्तियों के दौरान आम लोगों और समाज के वंचित वर्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता, और साथ ही कानून-व्यवस्था बनाए रखने वाले ऑफिसर के तौर पर छवि बनाई है। वह अभी तक तिरुपत्तूर, कोलाचेल और नीलगिरि जैसे इलाकों में एएसपी और कन्याकुमारी जिले के एसपी का पद संभाल चुके हैं। 2020 में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी में शामिल हो गए थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम विजय का पद संभालने के एक दिन बाद सी जोसेफ विजय को जेड+ श्रेणी की सुरक्षा दी गई थी। यह देश में वीआईपी सुरक्षा के सबसे ऊंचे स्तरों में से एक है। इस बढ़ाई गई सुरक्षा व्यवस्था के तहत 55 केंद्रीय सशस्त्र सुरक्षा कर्मियों की एक टुकड़ी सीएम को 24 घंटे सुरक्षा देगी।

टीएमसी में बड़ी बगावत का खतरा, ममता बनर्जी के इस एक फैसले से आगबबूला हुई महिला सांसद, खतरे में पड़ी पार्टी

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में करारी हार का सामना करने के बाद ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (TMC) अब एक नए और गहरे अंदरूनी संकट में घिरती नजर आ रही है। टीएमसी के भीतर भारी घमासान छिड़ गया है और लोकसभा सांसदों का एक बड़ा धड़ा खुद पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी से ही बेहद नाराज हो गया है। इस भारी नाराजगी की मुख्य वजह ममता बनर्जी का वह फैसला है, जिसमें उन्होंने लोकसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक (चीफ व्हिप) के पद से काकोली घोष दस्तीदार को हटाकर कल्याण बनर्जी को नियुक्त कर दिया है। इस चौंकाने वाले फैसले के बाद से पार्टी के भीतर भूचाल आ गया है और कई महिला सांसदों ने खुले तौर पर बागी तेवर अपना लिए हैं, जिससे पार्टी में टूट का बड़ा खतरा मंडराने लगा है।

महिला सांसदों को है इस बात की कड़ी आपत्ति

टीएमसी के सांसद कल्याण बनर्जी की इस नियुक्ति पर अपनी गंभीर चिंता और विरोध जता सकते हैं। विरोध की मुख्य वजह यह है कि कल्याण बनर्जी पर पहले भी महिला सांसदों के साथ कथित तौर पर बदसलूकी करने के कई गंभीर आरोप लगते रहे हैं। बगावत का झंडा बुलंद करने वाले सांसदों में महिलाओं की संख्या सबसे अधिक बताई जा रही है। गौरतलब है कि लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस के कुल 28 सांसद हैं, जिनमें से 11 महिला सांसद हैं। ऐसे में इन महिला सांसदों की एकजुट नाराजगी पार्टी के लिए

एक बड़ा सिरदर्द बन सकती है। यह विवादित नियुक्ति ममता बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास पर हुई पार्टी की एक अंदरूनी बैठक के दौरान की गई थी।

महुआ मोइत्रा से जुड़े विवाद ने पकड़ी थी तूल

कल्याण बनर्जी के साथ महिला सांसदों के विवाद का यह कोई पहला मामला नहीं है। पिछले साल टीएमसी की ही तेजतर्रार सांसद महुआ मोइत्रा के साथ भी उनकी सार्वजनिक तौर पर तीखी कहासुनी हुई थी, जिसके बाद उन्हें इस पद से हटना पड़ा था। उस दौरान महुआ मोइत्रा ने पिनाकी मिश्रा के साथ अपनी शादी को लेकर कल्याण बनर्जी द्वारा की गई कथित विवादित टिप्पणियों पर जबरदस्त पलटवार किया था। महुआ ने तीखा प्रहार करते हुए कहा था कि आप सूअर से कुश्ती नहीं लड़ते, क्योंकि सूअर को इसमें मजा आता है और आप खुद गंदे हो जाते हैं। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा था कि भारत में ऐसे पुरुष हैं जो गहरे तौर पर स्त्री-द्वेषी, यौन रूप से कुंठित और पतित हैं, और संसद में सभी पार्टियों में उनका प्रतिनिधित्व मौजूद है। इस भारी विवाद के बाद कल्याण बनर्जी को पद से इस्तीफा देना पड़ा था, लेकिन अब उनकी दोबारा वापसी ने पार्टी में एक नई और खतरनाक बगावत को जन्म दे दिया है।

फर्जी डॉक्टर बनकर घूम रहे थे यूपी के युवक, ग्रामीणों की सतर्कता से खुला राज

बिलासपुर, (आरएनएस)। तखतपुर क्षेत्र में खुद को डॉक्टर बताकर लोगों का इलाज करने का दावा कर रहे उत्तरप्रदेश के दो युवकों को ग्रामीणों की सतर्कता के चलते पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। दोनों युवक बिना किसी वैध मेडिकल डिग्री के दर्द और अन्य बीमारियों का इलाज कर रहे थे।जानकारी के मुताबिक, स्थानीय लोगों को लंबे समय से बाहरी युवकों की गतिविधियों पर शक था। ग्रामीणों ने जब उनसे मेडिकल डिग्री और दस्तावेज मांगे, तो वे स्पष्ट जवाब नहीं दे सके और खुद को आयुर्वेदिक उपचार से जुड़ा बताने लगे। संदेह बढ़ने पर लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कमरे की तलाशी ली, जहां से बड़ी मात्रा में एलोपैथिक दवाइयां और संदिग्ध चूर्ण बरामद किए गए। इस दौरान कथित डॉक्टरों का एक साथी पुलिस के पहुंचने से पहले ही फरार हो गया।

महिलाएं एवं बच्चे समाज का आधार इन्हें सशक्त करना सरकार की प्राथमिकता : सैनी

चंडीगढ़ (आरएनएस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि महिलाएं और बच्चे किसी भी समाज एवं देश की नींव होते हैं और इनके सशक्तिकरण के बिना राष्ट्र मजबूत नहीं बन सकता। श्री सैनी ने कहा कि महिलाओं एवं बच्चों को सशक्त करना राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है और महिला एवं बाल विकास विभाग अपनी आगामी पंचवर्षीय कार्ययोजना इसी दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर तैयार करे।

मुख्यमंत्री हरियाणा विजन-2047 के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग की आगामी पंचवर्षीय कार्ययोजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य ऐसा समावेशी और न्यायसंगत समाज बनाना है, जहां महिलाओं को गरिमापूर्ण जीवन मिले, वे हिंसा से मुक्त रहें और प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित, स्वस्थ व सहयोगी वातावरण में विकास के पूरे अवसर प्राप्त हों।

सैनी ने निर्देश दिए कि बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास की नियमित निगरानी के लिए विभाग विशेष गतिविधियां शुरू करे। प्रत्येक आयु वर्ग के

बच्चों के लिए बेबी शो और स्वास्थ्य प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएं तथा विजेता बच्चों को सम्मानित किया जाए। उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों में समाज, परिवार और सरकार के प्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए ताकि माताओं में बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़े। उन्होंने कहा कि बच्चों के जीवन के पहले छह वर्ष अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं और इन्हीं पर उनके भविष्य की नींव निर्भर करती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और जागरूकता के बिना आदर्श परिवार और स्वस्थ समाज की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने विभाग को निर्देश दिए कि महिलाओं को जागरूक करने के लिए विशेष रणनीति तैयार की जाए। साथ ही प्रत्येक जिले में कामकाजी महिलाओं के लिए वर्किंग वुमन हॉस्टल और उनके बच्चों के लिए क्रेच सेंटर स्थापित किए जाएं। उन्होंने बेटियों की जन्मदर बढ़ाने के लिए प्रदेशभर में विशेष जन-जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में लिंगानुपात को राष्ट्रीय औसत 933 से ऊपर ले जाने का लक्ष्य तय कर ठोस कार्ययोजना बनाई जाए। उन्होंने महिलाओं और बच्चों में एनीमिया जांच का दायरा बढ़ाने, आवश्यक सप्लीमेंट उपलब्ध कराने तथा तीन वर्ष तक के बच्चों और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को विशेष पोषण सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

मंडोली जेल में कैदी की संदिग्ध हालत में मौत

नई दिल्ली (ए.)। दिल्ली की मंडोली जेल में एक विचाराधीन कैदी की गुरुवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने से हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान शकरपुर निवासी 66 वर्षीय राजेंद्र कुमार जैन के रूप में हुई है। राजेंद्र करीब 7 महीने से जेल में बंद थे। परिजनों ने जेल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए इसे हत्या बताया है। आरोप है कि धमकी देने के साथ जेल में उनसे 50 हजार रुपये की उगाही की कोशिश की गई थी। इस बारे में राजेंद्र ने अदालत में लिखित शिकायत देते हुए जज को भी अवगत कराया था। जानकारी के अनुसार, राजेंद्र कुमार जैन कन्हैया नगर में परिवार के साथ रहते थे और हार्डवेयर के कारोबार से जुड़े थे। परिवार मूल रूप से शकरपुर निवासी है। मृतक के बेटे रोहन ने बताया कि उनके पिता के खिलाफ शकरपुर थाने में ठगी का एक मामला दर्ज था।इसी मामले में अंडर ट्रायल थे। शुक्रवार को उनकी कड़कड़डूमा कोर्ट में पेशी होनी थी, लेकिन उससे ठीक एक दिन पहले उनकी संदिग्ध हालात में मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि जेल में राजेंद्र जैन से 50 हजार रुपये की मांग की गई थी। रकम भेजने के लिए एक पेटीएम नंबर भी दिया गया था।

सीजेआई के तिलचट्टे वाले बयान पर मचा बवाल, प्रियंका चतुर्वेदी ने घोर अहंकार बताया

नई दिल्ली (ए.)। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत द्वारा जूनियर वकीलों को तिलचट्टे और परजीवी कहने के बयान ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने इस टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताकर इस बयान को घोर अहंकार बताया और न्यायपालिका की आलोचना सहन करने की अक्षमता पर सवाल उठाया है। यह टिप्पणी तब आई जब चीफ जस्टिस सूर्यकांत एक याचिका पर सुनवाई कर रहे थे, जिसमें युवा वकीलों को वरिष्ठ वकील का दर्जा देने की मांग की गई थी। उन्होंने तीखे शब्दों में कहा कि ये युवा तिलचट्टों की तरह हैं, जिन्हें न रोजगार मिलता है और न ही पेशे में कोई स्थान। सीजेआई ने कहा कि इसमें से कुछ मीडिया में, कुछ सोशल मीडिया में, कुछ आरटीआई कार्यकर्ता और अन्य कार्यकर्ता बनते हैं, और फिर वे हर किसी पर हमला करना शुरू कर देते हैं। इस बयान पर पलटवार कर प्रियंका चतुर्वेदी ने लिखा कि संवैधानिक महत्व और लोकतंत्र को कमजोर करने वाले मुद्दों पर तीन साल से अधिक के इंतजार के बावजूद कोई फैसला न आना निंदनीय क्यों नहीं है? उन्होंने कहा कि नैतिकता और न्याय के महापुजारी का इस देरी पर सवाल उठाने वालों को तुच्छ राजनेता कहना घोर अहंकार है। शिवसेना यूबीटी नेता चतुर्वेदी ने कहा कि न्यायपालिका में पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए प्रतिबद्ध युवा कार्यकर्ताओं को तिलचट्टे और परजीवी कहना, हमारी न्यायपालिका की आलोचना को सीधे तौर पर सहन करने की अक्षमता को और साबित करता है।

'लुक्खे' वेब सीरीज में छाए पलक तिवारी और रैपर किंग

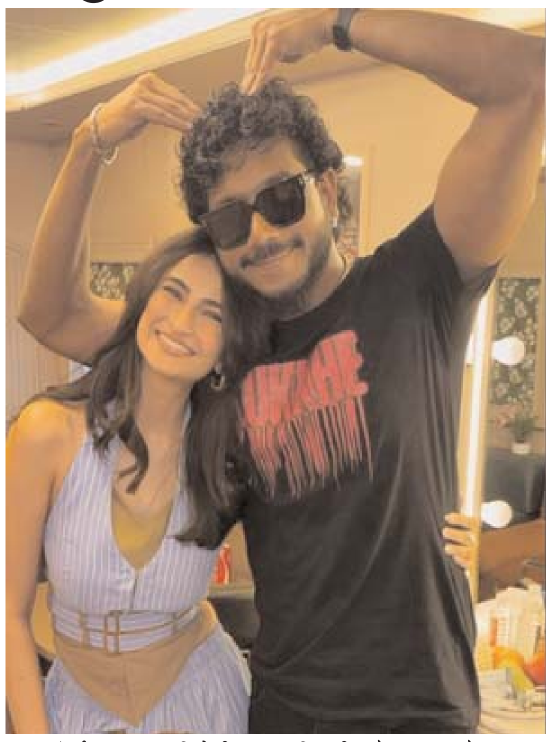
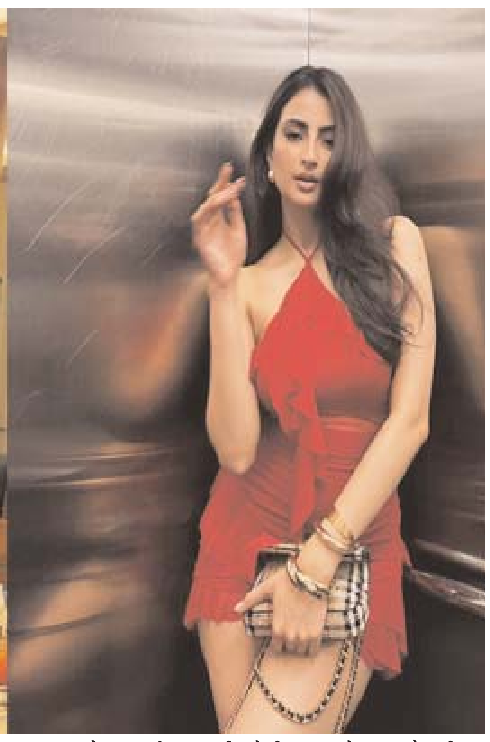

मुंबई (ए.)। अभिनेत्री पलक तिवारी और मशहूर रैपर किंग ने हिंदी क्राइम-थ्रिलर वेब सीरीज लुक्खे के जरिए ओटीटी की दुनिया में कदम रखा है। इस सीरीज में दोनों कलाकारों की केमिस्ट्री की भी काफी चर्चा हो रही है। हाल ही में पलक तिवारी ने सोशल मीडिया पर किंग के लिए एक भावुक पोस्ट साझा किया। इंस्टाग्राम पर पलक ने किंग के साथ कई तस्वीरें साझा कीं, जिनमें दोनों अलग-अलग अंदाज में पोज देते नजर आए। पोस्ट में पलक ने किंग के प्रति अपने स्नेह और सम्मान को बेहद खास शब्दों में व्यक्त किया। उन्होंने लिखा कि दुनिया के लिए वह 'एमसी बदनाम' और 'किंग' हो सकते हैं, लेकिन उनके लिए वह हमेशा 'अर्पण' और बड़े भाई 'वीरा' रहेंगे।

पलक ने कहा कि उनकी छोटी बहन होना उनके जीवन की सबसे बड़ी खुशी है और वह हमेशा उनकी 'सन्नो' यानी 'सनोबर' बनी रहेंगी। अभिनेत्री ने आगे लिखा कि 'लुक्खे' दोनों के लिए एक नई शुरुआत है, लेकिन सबसे बड़ी खुशी इस बात की है कि इस प्रोजेक्ट ने उन्हें किंग जैसा इंसान दिया। पलक ने कहा कि वह सिर्फ उनकी नहीं, बल्कि उनकी रूह तक की कद्र करती हैं। सोशल मीडिया पर उनकी यह पोस्ट तेजी से वायरल हो रही है और फैंस दोनों की दोस्ती और ऑनस्क्रीन रिश्ते की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

चंडीगढ़ की पृष्ठभूमि पर बनी यह सीरीज रैप म्यूजिक, ड्रग्स और बदले की कहानी को दिखाती है। सीरीज में किंग 'एमसी बदनाम' नाम के एक लोकप्रिय और आक्रामक रैपर की भूमिका निभा रहे हैं, जिसका संबंध खतरनाक ड्रग कारोबार से होता है। कहानी में वह 'डेमन' नामक नशीले पदार्थ की तस्करी से जुड़े नेटवर्क का हिस्सा दिखाई देते हैं। वहीं पलक तिवारी ने 'सनोबर' नाम की लड़की का किरदार निभाया है, जो एमसी बदनाम की बहन है। कहानी में 'लक्की' नाम का युवक, जिसका किरदार लक्षवीर सिंह सरन निभा रहे हैं, सनोबर से प्यार करने लगता है। इसके बाद कहानी में प्रेम, अपराध और पारिवारिक संघर्ष का जटिल मोड़ सामने आता है। सीरीज में सनोबर अपने भाई की गैरकानूनी गतिविधियों और अपने प्रेमी के बीच फंसी दिखाई देती है, जिससे कहानी में भावनात्मक तनाव और गहराई बढ़ जाती है।

मिथुन चक्रवर्ती ने की सुवेंदु अधिकारी की जमकर तारीफ, कहा- 'उनसे बेहतर सीएम कोई नहीं हो सकता'

सुवेंदु अधिकारी के पश्चिम बंगाल के पहले बीजेपी मुख्यमंत्री बनने के बाद राज्य की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। हाल ही में वरिष्ठ बीजेपी नेता और दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने उनकी जमकर तारीफ की।

मिथुन ने की सुवेंदु अधिकारी से मुलाकात

शनिवार को सुवेंदु अधिकारी ने कोलकाता के न्यू टाउन स्थित मिथुन चक्रवर्ती के घर जाकर उनसे मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे तक बातचीत हुई। इसके बाद सुवेंदु अपने पहले जिला दौरे पर रवाना हुए, जिसकी शुरुआत उन्होंने दक्षिण 24 परगना के राजनीतिक रूप से अहम डायमंड हार्बर से की।

'रेडी' में संवाद में बदलाव ने खास बनाया रोल को : कुब्रा सैत

मुंबई (ए.)। हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री कुब्रा सैत ने अपनी पहली फिल्म 'रेडी' से जुड़ा दिलचस्प अनुभव साझा किया। कुब्रा ने बताया कि इस फिल्म में उनके किरदार को खास और यादगार बनाने का विचार सुपरस्टार सलमान खान का था। अभिनेत्री ने कहा कि अगर उन्होंने उस समय यह छोटा रोल स्वीकार नहीं किया होता, तो शायद उनके अभिनय करियर का सफर भी अलग होता। अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुब्रा सैत ने एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह अपने शुरुआती संघर्ष और फिल्म 'रेडी' से जुड़ी यादों के बारे में बात करती नजर आईं। उन्होंने बताया कि यह उनकी पहली फिल्म थी और उस समय वह बेहद उत्साहित थीं।

अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने इस रोल के लिए छोटी काले रंग की ड्रेस पहनकर ऑडिशन दिया था और निर्देशक अनीस बज्मी के फैसले का इंतजार कर रही थीं। कुब्रा ने बताया कि शुरुआत में उन्हें फिल्म में एक साधारण नौकरानी का किरदार मिला था, जिसमें उनके लिए कोई डायलॉग नहीं लिखे गए थे। हालांकि बाद में सलमान खान ने सुझाव दिया कि उनके किरदार को टूटी-फूटी अंग्रेजी बोलने वाली मेड के रूप में पेश किया जाए। यह आइडिया निर्देशक अनीस बज्मी को बेहद पसंद आया और इसके बाद कुब्रा के किरदार में संवाद जोड़े गए। अभिनेत्री के अनुसार, इसी बदलाव ने उनके रोल को दर्शकों के बीच खास बना दिया। उन्होंने कहा कि उस समय कई लोगों ने उन्हें सलाह दी थी कि इतना छोटा और अलग तरह का रोल करना उनके करियर के लिए सही नहीं होगा।

लोगों का मानना था कि वह जल्दबाजी कर रही हैं, लेकिन कुब्रा ने अपने दिल की सुनी। उन्होंने कहा कि अगर उन्होंने 'रेडी' में वह किरदार नहीं निभाया होता, तो शायद वह आगे चलकर 'कुकू' जैसा यादगार किरदार निभाने का मौका भी नहीं पा पातीं। कुब्रा ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि अभिनय की दुनिया में कोई भी रोल छोटा नहीं होता, बल्कि कलाकार अपनी मेहनत और प्रतिभा से उसे बड़ा बनाते हैं। उन्होंने कहा कि यह उनके जीवन की सबसे बड़ी सीखों में से एक है और कलाकारों को कभी किसी अवसर को छोटा समझकर मना नहीं करना चाहिए।

मौनी रॉय ने पति सूरज को सोशल मीडिया पर फिर किया फॉलो? एक्ट्रेस के अलगाव की घोषणा के बाद निशाने पर दिशा पाटनी

बीते दिनों एक्ट्रेस मौनी रॉय ने अपने अलगाव की घोषणा सोशल मीडिया पर की, पति सूजर को अनफॉलो भी कर दिया था। कुछ फैंस का मानना है कि मौनी ने सूरज को फिर से इंस्टाग्राम पर फॉलो कर लिया। साथ ही इनके अलगाव के बीच ट्रोल्स के निशाने पर दिशा पाटनी आ गई हैं। मौनी और सूरज के रिश्ते की बढ़ती दूरियों का कारण क्यों दिशा पाटनी को माना जा रहा है।

मौनी ने पति को फिर से सोशल मीडिया पर फॉलो किया

जब से मौनी रॉय ने अपने अलगाव की घोषणा की है, फैंस उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर नजर जमाए बैठे हैं। कुछ फैंस ने देखा कि इंस्टाग्राम पर मौनी रॉय अब भी पति सूरज नांबियार को फिर से फॉलो कर लिया है। लेकिन सूरज ने अब भी मौनी को फॉलो नहीं किया है। ऐसे में कुछ फैंस को उम्मीद जगी है कि इनके बीच शायद सबकुछ ठीक हो जाए।

दिशा पाटनी पर ट्रोल्स ने साधा निशाना

मौनी रॉय और सूरज नांबियार के अलगाव की घोषणा के बाद से ही ट्रोल्स दिशा पाटनी के इंस्टाग्राम पर जाकर कमेंट सेक्शन में उन्हें कोस रहे हैं। एक यूजर्स ने लिखा, 'करवा दी मौनी और सूरज की लड़ाई।' एक अन्य यूजर ने दिशा से पूछा, 'सूरज को अनफॉलो क्यों किया?' इसी तरह कई लोगों ने मौनी और सूरज के अलगाव का कारण दिशा से पूछा। कहीं ना कहीं सोशल मीडिया यूजर्स और मौनी रॉय के फैंस दिशा को इस पूरे मामले के लिए जिम्मेदार मना रहे हैं।

क्या है मौनी रॉय और दिशा पाटनी का कनेक्शन?

बता दें कि दिशा पाटनी और मौनी रॉय अच्छी दोस्त हैं। मौनी पति से ज्यादा दिशा के साथ नजर आती हैं। वेकेशन पर भी दिशा पाटनी को मौनी रॉय के साथ देखा जाता है। ऐसे में कुछ फैंस को लगता है कि दिशा पाटनी ही सूरज और मौनी रॉय के बीच परेशानी का कारण है। जबकि इस मामले पर मौनी या सूरज ने कुछ नहीं कहा है।

अमिताभ के वायरल वीडियो से लोग योग करने हो रहे प्रेरित

मुंबई (ए.)। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने सदी के महानायक अमिताभ बच्चन का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है, जिसमें अभिनेता योग को अपने स्वस्थ और संतुलित जीवन का सबसे बड़ा आधार बताते नजर आ रहे हैं। आयुष मंत्रालय ने यह वीडियो अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया। वीडियो के साथ मंत्रालय ने लिखा कि अमिताभ बच्चन की प्रेरणा लोगों को योग की ओर आकर्षित करेगी। पोस्ट में कहा गया कि जब इतनी बड़ी हस्ती खुद योग को अपने समृद्ध और बेहतर जीवन का राज बताती है, तो यह हर किसी को योग अपनाने के लिए प्रेरित करता है। मंत्रालय का मानना है कि सेलिब्रिटीज के जरिए योग का संदेश ज्यादा प्रभावी तरीके से आम लोगों तक पहुंच सकता है। वीडियो में अमिताभ बच्चन साफ शब्दों में कहते दिखाई देते हैं कि वह हर दिन योग करते हैं और योग ने उनके जीवन को बेहतर और समृद्ध बनाया है। उन्होंने कहा कि योग अपनाकर व्यक्ति अपनी जिंदगी को पूरी क्षमता के साथ जी सकता है।

साथ ही अभिनेता ने यह भी सलाह दी कि योग हमेशा सही मार्गदर्शन और विशेषज्ञों की सलाह के साथ ही करना चाहिए, ताकि इसका पूरा लाभ मिल सके और किसी प्रकार की शारीरिक समस्या से बचा जा सके। मंत्रालय का यह कदम 21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को और मजबूती देने वाला माना जा रहा है। आयुष मंत्रालय पहले भी कई योग गुरुओं, स्वास्थ्य विशेषज्ञों और प्रसिद्ध हस्तियों के माध्यम से लोगों को योग के प्रति जागरूक करता रहा है।

शो को मिल रही सफलता के लिए सोफी ने जताया आभार

मुंबई (ए.)। अपने चर्चित टॉक शो फेमसली फिट विद सोफी को लेकर गायिका और अभिनेत्री सोफी चौधरी लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। शो को दर्शकों की मिल रही शानदार प्रतिक्रिया ने सोफी को बेहद भावुक कर दिया है। सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट साझा करते हुए उन्होंने अपनी टीम, मेहमानों और दर्शकों का दिल से आभार व्यक्त किया।

सोफी चौधरी ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वह बॉलीवुड सितारों और अपनी टीम के साथ नजर आ रही हैं। पोस्ट में उन्होंने बताया कि इस शो को शुरू करने का मकसद केवल मनोरंजन करना नहीं था, बल्कि लोगों को फिटनेस के प्रति जागरूक करना और मशहूर हस्तियों के जीवन से जुड़ी असली कहानियों को सामने लाना भी था। उन्होंने कहा कि शो को दर्शकों से जिस तरह का प्यार मिल रहा है, वह उनके लिए बेहद खास और भावुक कर देने वाला अनुभव है।

अभिनेत्री ने लिखा कि उन्होंने हमेशा चाहा था कि यह शो लोगों को प्रेरित करे, उनका मनोरंजन करे और साथ ही सेलिब्रिटीज के जीवन के उन पहलुओं को सामने लाए, जिनके बारे में आमतौर पर लोग नहीं जानते। उन्होंने माना कि इस सफलता के पीछे दर्शकों का प्यार और उनकी पूरी टीम की मेहनत सबसे बड़ी वजह है। सोफी ने अपने शो में आने वाले सभी मेहमानों का भी धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि हर कलाकार ने अपनी जिंदगी से जुड़ी सच्ची बातें, अनुभव और भावनाएं बेहद ईमानदारी से साझा कीं, जिसने हर बातचीत को खास बना दिया। उनके अनुसार, इन चर्चाओं ने शो को केवल एक फिटनेस चैट शो नहीं रहने दिया, बल्कि इसे एक भावनात्मक और प्रेरणादायक मंच बना दिया।

प्रियंका चोपड़ा ने शेयर कीं दिलकश तस्वीरें, बोलीं- 'मेरे नए दौर की शुरुआत'; आंखों की खूबसूरती में खोए फैंस

प्रियंका चोपड़ा सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। अपने वर्क फ्रंट के अलावा निजी जिंदगी से जुड़े पल भी वे यहां साझा करती हैं। आज शनिवार को उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें कई तस्वीरें हैं। प्रियंका चोपड़ा की ये फोटोज उनकी बीते पूरे वीक की झलकियां हैं। देसी गर्ल की बेटी मालती भी तस्वीरों में हैं।

देसी गर्ल की आंखों की खूबसूरती ने खींचा ध्यान

प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर साझा किए गए अपने इस पोस्ट में एक के बाद एक कई तस्वीरें पोस्ट की हैं। उनकी आंखों की खूबसूरती पर लोगों की नजरें ठहर गई हैं। कुछ फोटोज में एक्ट्रेस स्किन केयर करती दिख रही हैं। फेस मास्क लगाकर उन्होंने सेल्फी ली हैं।

सेल्फ केयर करती आईं नजर

इसके अलावा कुछ रैंडम फोटोज भी हैं, जिनमें वे परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताती दिख रही हैं। उन्होंने घर पर रहकर सुकून के पल बिताए। सेल्फ केयर की। आराम फरमाया और पसंदीदा सिनेमा देखा। इसके साथ प्रियंका ने कैप्शन लिखा है, %यह मेरे एक नए दौर का लॉन्च है%। इसके अलावा

प्रियंका चोपड़ा अपनी दोस्तों के साथ भी मस्ती करती दिखी हैं।

मालती ने बनाया मम्मा के लिए ग्रीटिंग

प्रियंका चोपड़ा की लाडली मालती मैरी की झलकियां भी तस्वीरों में हैं। वे ग्रीटिंग कार्ड बना रही हैं। इसके अलावा कुछ तस्वीरें उनके प्ले टाइम की हैं। प्रियंका के फैंस ने मालती के हाथों में नजरिया नोटिस की हैं और लिख रहे हैं, 'अरे वाह। बेबी गर्ल को नजरिया पहना रखी हैं'।

फैंस ने की तारीफ

प्रियंका चोपड़ा के पोस्ट पर नेटिजंस के रिएक्शंस आ रहे हैं। यूजर्स प्रियंका के आकर्षण, स्टाइल और फैशन की जमकर तारीफ कर रहे हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो वे फिल्म 'वाराणसी' के जरिए भारतीय सिनेमा में वापसी करने वाली हैं। यह फिल्म अगले साल रिलीज होगी।

प्रीति जिंटा की इन बातों से प्रभावित हैं सोनम बाजवा, अभिनेत्री की तारीफ की; उनकी टीम को लेकर कही ये बात

एक्ट्रेस सोनम बाजवा अपनी नई पंजाबी फिल्म 'पिट सियापा' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच उन्होंने आईपीएल सीजन के दौरान टीम पंजाब किंग्स को सपोर्ट किया है। उन्होंने टीम की को-ओनर प्रीति जिंटा से हुई मुलाकात के बारे में बात की है और तारीफ की है। सोनम बाजवा को आईपीएल 2026 के कई मैचों में पंजाब किंग्स के लिए चीयर करते देखा गया है।

प्रीति जिंटा पर सोनम ने रखी अपनी बात

सोनम बाजवा ने प्रीति जिंटा को लेकर अपने विचार साझा किए। प्रीति के बारे में बात करते हुए, सोनम ने कहा 'वह उन सबसे खूबसूरत और हसीन महिलाओं में से एक हैं जिन्हें मैंने कभी देखा है। मैंने उनकी पहली फिल्म से ही उन्हें फॉलो किया है।

कान फिल्म फेस्टिवल से सामने आया अदिति राव हैदरी का पहला लुक, साड़ी में दमक उठा रंग-रूप

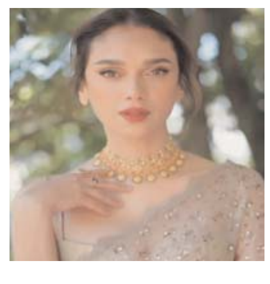

आलिया भट्ट, तारा सुतारिया और हुमा कुरैशी के बाद अदिति राव हैदरी ने भी कान फिल्म फेस्टिवल में शिरकत की है। जहां बाकी एक्ट्रेस ने इस इवेंट के लिए वेस्टर्न ड्रेसअप चुना। वहीं अदिति ने भारतीय पहनावे यानी साड़ी का अहमियत दी। देखें, कान फिल्म फेस्टिवल से अदिति राव हैदरी का पहला लुक। अदिति राव हैदरी भी कान फिल्म फेस्टिवल में शिरकत करने पहुंची हैं। शनिवार को इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस ने अपने लुक की पहली झलक फैंस के साथ साझा की है। अदिति साड़ी पहने दिलकश पोज दे रही हैं। इस लुक में उनका रूप-रंग और निखर उठा है।

हैवी गोल्ड चोकर ने खींचा ध्यान

अदिति ने इस खास मौके के लिए मोनिका और करिश्मा के ब्रांड जेड की शीर ओरगांजा साड़ी चुनी। इस साड़ी पर बिखरे हुए गोल्ड सेक्विन और सितारा एम्बेलिश थे। इसके साथ उन्होंने हैवी गोल्ड चोकर कैरी किया। हालांकि, अभी तक एक्ट्रेस इस लुक की और तस्वीरें और डिटेल साझा नहीं कीं।

फिल्मों में ज्यादातर दृश्यों में कलाकार नहीं पीते हैं असली शराब

मुंबई (ए.)। बॉलीवुड के फिल्मी दृश्यों को देखकर दर्शकों के मन में अक्सर यह सवाल उठता है कि क्या कलाकार शूटिंग के दौरान सचमुच शराब पीते हैं या फिर कैमरे के सामने केवल अभिनय करते हैं। फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के मुताबिक ज्यादातर मामलों में कलाकार असली शराब नहीं पीते, बल्कि उसकी जगह खास तरह के नॉन-अल्कोहलिक पेय पदार्थों का इस्तेमाल किया जाता है। फिल्मों में शराब जैसे दिखने वाले पेय को तैयार करने के लिए कई तरह की तकनीकों का सहारा लिया जाता है। उदाहरण के तौर पर व्हिस्की या रम दिखाने के लिए अक्सर आइस्ड टी का इस्तेमाल किया जाता है, क्योंकि उसका रंग असली शराब जैसा दिखाई देता है। बीयर के दृश्यों में नॉन-अल्कोहलिक बीयर या जिंजर एले का उपयोग किया जाता है ताकि कलाकार बिना नशे के आसानी से अभिनय कर सकें। इसी तरह वोडका और जिन की जगह साधारण पानी का इस्तेमाल होता है, जबकि रेड वाइन की जगह अंगूर या ब्लैककरंट का जूस

दिया जाता है। कैमरे और लाइटिंग के प्रभाव से ये सभी पेय असली शराब जैसे दिखाई देते हैं और दर्शकों को अंतर समझ नहीं आता। निर्माता और निर्देशक आमतौर पर सेट पर असली शराब इस्तेमाल करने से बचते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह शूटिंग की प्रक्रिया है। किसी भी दृश्य को अलग-अलग एंगल से कई बार शूट करना पड़ता है। यदि कलाकार हर टेक में असली शराब पिएंगे तो उनके नशे में आने की संभावना बढ़ जाएगी।

इससे संवाद भूलने, भावनाओं पर नियंत्रण खोने और शूटिंग में देरी जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। फिल्म निर्माण में समय और अनुशासन बेहद महत्वपूर्ण होता है, इसलिए अधिकतर निर्देशक कलाकारों को असली शराब देने के बजाय नकली पेय का इस्तेमाल कराते हैं। हालांकि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कुछ ऐसे उदाहरण भी सामने आए हैं जब कलाकारों ने अपने किरदार को वास्तविक दिखाने के लिए असली शराब का सहारा लिया।

लखनऊ सुपर जायंट्स बनाम चेन्नई सुपरकिंग्सः मिचेल मार्श तीसरा आईपीएल शतक जड़ने से चूके, बने प्लेयर ऑफ द मैच

नईदिल्ली,(आरएनएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 59वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स के सलामी बल्लेबाज मिचेल मार्श ने चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ धमाकेदार बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतकीय पारी (90) खेली। यह उनके आईपीएल करियर का 11 और चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ पहला ही अर्धशतक रहा, जिसे उन्होंने 21 गेंदों में पूरा किया। उनकी पारी से लखनऊ सुपर जायंट्स को मजबूत शुरुआत मिली और वह तेजी से लक्ष्य की ओर बढ़ी। इस पारी के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

लखनऊ सुपर जायंट्स को 188 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मिचेल मार्श और जोश इंग्लिश (36) की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए पावरप्ले में ही 86 रन जोड़ दिए। इसके बाद भी दोनों ने पहले विकेट के लिए 136 रन की साझेदारी निभाई। इससे पहले मार्श ने 21 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। वह 38 गेंदों में 9 चौके और 7 छक्कों से 90 रन बनाकर आउट हुए।

मार्श पावरप्ले के बाद 22 गेंदों पर 56 रन बनाकर नाबाद रहे। इसके साथ ही वह लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए पावरप्ले में चौथा सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। इस सूची में इंग्लिश (77* बनाम चेन्नई सुपरकिंग्स, 2026) पहले, मार्श (60* बनाम एमआई, 2025) दूसरे, मार्श (58* बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, 2026) तीसरे नंबर पर हैं। इसी तरह वह लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए पावरप्ले में 3 बार 50+ स्कोर बनाने में वाले एकमात्र बल्लेबाज भी है।

दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच हाई-वोल्टेज मुकाबला, प्लेऑफ पर निगाहें

नई दिल्ली (ए.)। दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच आईपीएल 2026 का 62वां मुकाबला क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक हाई-वोल्टेज टक्कर साबित होने जा रहा है। यह रोमांचक मैच अरुण जेटली स्टेडियम, दिल्ली में खेला जाएगा, जिसकी शुरुआत रविवार रात 7:30 बजे स्थानीय समय के अनुसार होगी। प्लेऑफ की दौड़ जैसे-जैसे निर्णायक मोड़ पर पहुंच रही है, वैसे-वैसे यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद अहम हो गया है।दिल्ली कैपिटल्स का यह सीजन अब तक मिला-जुला रहा है। टीम ने कुछ मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन कर अपनी क्षमता का परिचय दिया है, लेकिन लगातार उतार-चढ़ाव और अहम मौकों पर मिली हारों ने उनकी स्थिति को कमजोर किया है। घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा टीम को जरूर मिलेगा, लेकिन साथ ही दर्शकों की उम्मीदों और प्लेऑफ की बढ़ती दबाव भी खिलाड़ियों पर भारी पड़ सकता है। कप्तान और मध्यक्रम के बल्लेबाजों की भूमिका इस मैच में निर्णायक रहने वाली है, जिन्हें बड़ी साझेदारी कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाना होगा।वहीं दूसरी ओर राजस्थान रॉयल्स ने इस सीजन अपने संतुलित प्रदर्शन से काफी प्रभावित किया है। टीम का शीर्ष क्रम लगातार रन बना रहा है, जिससे उन्हें मजबूत शुरुआत मिल रही है। इसके अलावा गेंदबाजी इकाई ने खासकर डेथ ओवर्स में शानदार नियंत्रण दिखाते हुए कई करीबी मुकाबलों को अपने पक्ष में किया है। राजस्थान रॉयल्स इस मैच को जीतकर प्लेऑफ की दौड़ में अपनी स्थिति को और मजबूत करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी।दोनों टीमों के बीच मुकाबलों का इतिहास हमेशा से ही बेहद रोमांचक रहा है। आईपीएल के पिछले सीजनों में दिल्ली और राजस्थान के बीच कई ऐसे मैच देखने को मिले हैं, जिनका फैसला अंतिम ओवरों में हुआ है। यही वजह है कि इस बार भी क्रिकेट फैंस एक कांटे की टक्कर और संभवतः हाई-स्कोरिंग मैच की उम्मीद कर रहे हैं। दोनों टीमों की वर्तमान फॉर्म को देखते हुए किसी भी टीम को स्पष्ट रूप से कमजोर नहीं माना जा सकता। अंक तालिका की स्थिति को देखते हुए यह मुकाबला प्लेऑफ की तस्वीर पर भी बड़ा असर डाल सकता है। जीतने वाली टीम न केवल महत्वपूर्ण अंक हासिल करेगी बल्कि आत्मविश्वास के साथ आगे के मैचों में प्रवेश करेगी। वहीं हारने वाली टीम के लिए आगे की राह और कठिन हो सकती है। यह मुकाबला कल रात 7:30 बजे से अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। क्रिकेट प्रेमियों की नजरें इस रोमांचक भिड़ंत पर टिकी रहेंगी, जहां हर गेंद मैच का रुख बदलने की क्षमता रखती है।

दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स संभावित खिलाड़ी-

दिल्ली कैपिटल्स संभावित खिलाड़ी

अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड मिलर, नितीश राणा, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, कुलदीप यादव, मिचेल स्टार्क, टी नटराजन, दुश्मंथा चमीरा, विप्रज निगम, मुकेश कुमार, ऑकिब नबी, माधव तिवारी।

राजस्थान रॉयल्स संभावित खिलाड़ी

रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल, शिमरॉन हेटमायर, डोनोवन फरेरा, रविंद्र जडेजा, दासुन शनाका, जोफ्रा आर्चर, रवि बिश्नोई, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, शुभम दुबे, संदीप शर्मा, कुलदीप सेन।

मिशेल मार्श के 90 रनों की बदौलत लखनऊ ने चेन्नई को 7 विकेट से दी मात

नईदिल्ली,(ए)। मिशेल मार्श के 38 गेंदों पर तूफानी 90 रन और निकोलस पूरन के आखिर में लगातार 4 छक्कों की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने शुक्रवार को चेन्नई सुपर किंग्स को सात विकेट से करारी शिक्स्त दे दी.लखनऊ के एकाना क्रिकेट स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स ने 187/5 का स्कोर खड़ा किया था, जिसमें कार्तिक शर्मा के टी20 करियर के सर्वश्रेष्ठ 71 रन और शिवम दुबे के नाबाद 32 रनों का अहम योगदान रहा. लेकिन मार्श और जोश इंग्लिस ने 135 रनों की ओपनिंग साझेदारी करके शुरुआत से ही मैच का माहौल अपने पक्ष में कर लिया.मार्श ने 236.84 के चौंका देने वाले स्ट्राइक रेट से नौ चौके और सात छक्के जड़े. हालांकि, एक दुर्भाग्यपूर्ण रन-आउट ने उन्हें शानदार शतक बनाने से महज दस रन पहले ही रोक दिया.उनके, इंग्लिस और अब्दुल समद के जल्दी-जल्दी आउट होने के बाद, पूरन ने कुछ जोरदार शॉट लगाते हुए सिर्फ 17 गेंदों में 32 रन ठोक दिए. उन्होंने एक चौका और चार छक्के जड़कर लखनऊ सुपर जायंट्स को 20 गेंदें शेष रहते ही जीत दिला दी, और साथ ही चेन्नई सुपर किंग्स की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों को भी जोरदार झटका दिया.मार्श ने सिर्फ 21 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, इंग्लिस ने 32 गेंदों में 36 रन बनाकर उनका बखूबी साथ निभाया, लेकिन अंततः मुकेश की गेंद पर आउट हो गए. ठीक अगली ही गेंद पर, मार्श भी दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से आउट हो गए, पूरन के सीधे शॉट को नॉन-स्ट्राइकर छोर पर खड़े मुकेश ने हल्के से छू दिया, जिससे गेंद सीधे स्टंप्स से जा टकराई और मार्श 90 रनों के स्कोर पर रन-आउट हो गए.

पाकिस्तानी क्रिकेटर ने जड़ा महिला टी20आई का सबसे तेज अर्धशतक, भारतीय बल्लेबाज का टूटा रिकॉर्ड

नईदिल्ली, (ए)। पाकिस्तान महिला टीम के कप्तान फातिमा सना ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में इतिहास रच दिया है. उन्होंने 15 गेंद में फिफ्टी जड़ कर महिला टी20 इंटरनेशनल में सबसे तेज अर्धशतक बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. सना ने ये उपलब्धि कराची में जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरे ञ्20ड्ढ मैच के दौरान हासिल की.

इसके साथ 24 साल की सना ने न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन, ऑस्ट्रेलिया की फीबी लिचफील्ड और भारत की ऋच्चा घोष के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया, जिन्होंने 18-18 गेंदों में अपनी फिफ्टी बनाई थी.

सना की जबरदस्त पारी से पहले, टी20आई में किसी पाकिस्तानी खिलाड़ी द्वारा सबसे तेज फिफ्टी बनाने का रिकॉर्ड निदा डार के नाम था, जिन्होंने 2019 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 20 गेंदों में यह कारनामा किया था.

इसके अलावा सना ने महिला टी20 क्रिकेट में सबसे तेज फिफ्टी के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली. उन्होंने 2022 में वारविकशायर के लिए मैरी केली और इसी साल न्यूजीलैंड के सुपर स्मैश टूर्नामेंट में ओटागो के लिए लॉरा हैरिस की उपलब्धि की बराबरी की.

मैच की बात करें तो पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया. फातिमा सना सिर्फ 19 गेंदों में 62 रन बनाकर नाबाद रहीं. अपनी इस पारी में उन्होंने 10 चौके और दो छक्के लगाए. इसकी बदौलत पाकिस्तान का स्कोर 4 विकेट पर 223 रन तक पहुंच गया. यह महिला टी20आई में पाकिस्तान का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है. इससे पहले इसी सीरीज में पाकिस्तान ने 237 रन बनाए थे. जवाब में वेस्टइंडीज की पूरी टीम 17.1 ओवर में ही 90 रनों पर ढेर हो गई. जिसके साथ पाकिस्तान ने मैच को 133 रनों से अपने नाम कर लिया.

पाकिस्तान के लिए सबसे तेज फिफ्टी

2026 सना की फॉर्म अविश्वसनीय रही है. वह इस साल महिलाओं के टी20आई में पाकिस्तान की सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं. उन्होंने पांच पारियों में 229 रन बनाए हैं, जिनका स्ट्राइक रेट 206.30 का है. उन्होंने इसी साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 41 गेंदों में 90 रन बनाकर टी20आई में अपना अब तक का सबसे बड़ा स्कोर भी बनाया था.

बुमराह की कप्तानी में मुंबई इंडियंस की बदली तस्वीर : कृष्णमाचारी श्रीकांत

टीम ज्यादा एकजुट दिखी

नई दिल्ली (ए.)। आईपीएल 2026 में प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी मुंबई इंडियंस को लेकर पूर्व भारतीय क्रिकेटर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने बड़ा बयान दिया है। श्रीकांत का कहना है कि जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में टीम का माहौल और प्रदर्शन दोनों बदले हुए नजर आए और खिलाड़ी ज्यादा एकजुट दिखाई दिए। इस सीजन मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। टीम की कप्तानी कभी हार्दिक पांड्या तो कभी सूर्यकुमार यादव के हाथों में रही, लेकिन लगातार अस्थिरता के कारण टीम लय नहीं पकड़ सकी। हालांकि पंजाब किंग्स के खिलाफ जब टीम की कमान जसप्रीत बुमराह ने संभाली, तो टीम का रवैया पूरी तरह अलग नजर आया। 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि बुमराह को कप्तानी देना एक सही फैसला साबित हुआ। उनके अनुसार मैच के दौरान खिलाड़ियों का मूड हल्का था और टीम में नई ऊर्जा दिखी। उन्होंने कहा कि भले ही सूर्यकुमार यादव उस मुकाबले में निजी कारणों से नहीं खेले, लेकिन मैदान पर उतरी टीम पहले से ज्यादा संतुलित और आत्मविश्वासी नजर आई।

श्रीकांत ने युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन की भी तारीफ की। उन्होंने दीपक चाहर, राज अंगद बावा, तिलक वर्मा और रयान रिकेल्टन के योगदान को अहम बताया। खासतौर पर रयान रिकेल्टन की आक्रामक शुरुआत और तिलक वर्मा की जिम्मेदार बल्लेबाजी ने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। उन्होंने यह भी कहा कि बुमराह कप्तानी करते समय बेहद शांत और मुस्कुराते हुए नजर आए, जिसका सकारात्मक असर गेंदबाजों पर पड़ा। उनके अनुसार बुमराह ने गेंदबाजों को आत्मविश्वास दिया, जिससे दीपक चाहर और शार्दुल ठाकुर जैसे गेंदबाज ज्यादा अनुशासित नजर आए और रन लुटाने से बचे। मुंबई इंडियंस ने इस मुकाबले में 200 से ज्यादा रनों का लक्ष्य हासिल कर शानदार जीत दर्ज की। हालांकि यह जीत टीम के प्लेऑफ में पहुंचने के लिए काफी नहीं थी, लेकिन इसने पंजाब किंग्स की मुश्किलें जरूर बढ़ा दीं। यह पंजाब की लगातार पांचवीं हार रही, जिससे उनकी प्लेऑफ की राह और कठिन हो गई है। श्रीकांत के इस बयान के बाद मुंबई इंडियंस के टीम संयोजन और कप्तानी रणनीति को लेकर एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है।

विदेश समाचार

अमेरिका ने आईएसआईएस के दूसरे सबसे बड़े नेता अबू-बिलाल अल-मिनुकी को मार गिराया

वाशिंगटन,(आरएनएस)। अमेरिका ने आईएसआईएस के दूसरे सबसे बड़े नेता अबू-बिलाल अल-मिनुकी को मार गिराया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसकी जानकारी दी है। ट्रंप ने बताया कि अमेरिकी और नाइजीरियाई सेना ने संयुक्त अभियान में ये सफलता पाई। ट्रंप ने कहा, आज रात मेरे निर्देश पर बहादुर अमेरिकी और नाइजीरिया की सशस्त्र सेनाओं ने दुनिया के सबसे सक्रिय आतंकवादी को खत्म करने के लिए बहुत ही बारीकी से नियोजित और बेहद जटिल मिशन को पूरी तरह से सफल बनाया।

ट्रंप ने कहा, अल-मिनुकी को लगा था कि वह अफ्रीका में छिप सकता है, लेकिन उसे अंदाजा नहीं था कि हमारे पास ऐसे सूत्र थे जो हमें लगातार यह जानकारी दे रहे थे कि वह क्या कर रहा है। अब वह न तो अफ्रीका के लोगों को आतंकित करेगा, और न अमेरिकियों को निशाना बनाने वाले अभियानों की योजना बनाने में मदद करेगा। इस ऑपरेशन में हमारे साथ साझेदारी के लिए हम नाइजीरिया की सरकार का धन्यवाद करते हैं।अल-मिनुकी को अबू बक्र इब्न मुहम्मद इब्न अली अल-मिनुकी के नाम से भी जाना जाता था। वो आईएसआईएस में वैश्विक स्तर पर दूसरे नंबर का नेता था। अल-मिनुकी मुख्य रूप से अफ्रीका के साहेल क्षेत्र में सक्रिय था। वह इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रोविंस के वरिष्ठ कमांडर के रूप में कार्यरत था और आईएसआईएस के जनरल डायरेक्टोरेट ऑफ प्रोविंसेस के लेक चाड डिवीजन के संचालन का निर्देशन करता था।

ट्रंप की हत्या पर मिलेगा 50 मिलियन यूरो, ईरानी संसद में पेश होगा प्रस्ताव

रिपोर्ट में दावा- अजीजी ने की काउंटर-एक्शन योजना तैयार करने की घोषणा

तेहरान,(ए.)। ईरानी मीडिया में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर एक खबर ने सबका ध्यान खींचा है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरानी सरकार ट्रंप की हत्या के बदले 50 मिलियन यूरो के इनाम का एक प्रस्ताव संसद में लाने की तैयारी कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के चेयरमैन इब्राहिम अजीजी ने इस्लामिक रिपब्लिक की सैन्य और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा काउंटर-एक्शन नामक योजना का मसौदा तैयार किए जाने की घोषणा की है।

इस मसौदे में डोनाल्ड ट्रंप की हत्या के लिए 50 मिलियन यूरो का इनाम देने का प्रस्ताव शामिल है अजीजी ने कहा कि ट्रंप, इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और यूएस सेंट्रल कमांड के कमांडर को काउंटर-एक्शन के लिए टारगेट किया जाना चाहिए। अजीजी ने ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की हत्या में इनकी भूमिका की वजह से उन्हें टारगेट करने की बात कही। सरकार के सपोर्टर अली अकबर ने पहले दावा किया था कि "किल ट्रंप" नाम के कैंपेन के लिए 50 मिलियन डॉलर के वित्तीय रिसोर्स सुरक्षित कर लिए गए हैं।

एक हैकिंग ग्रुप ने एक बयान जारी कर दावा किया था कि समूह ने ट्रंप और नेतन्याहू को खत्म करने के लिए 50 मिलियन डॉलर दिए। यह भी दावा किया गया कि यह रकम किसी भी ऐसे व्यक्ति या ग्रुप को दी जाएगी जो असल कार्रवाई करेगा। उनके कम्युनिकेशन और फाइनेंशियल चैनल एन्क्रिप्शन और एनोनिमाइजेशन टेक्नोलॉजी से सुरक्षित हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अजीजी ने सरकारी टीवी को बताया कि मार्च में युद्ध शुरू होने के बाद से सांसदों ने कई बिल तैयार किए हैं, जिनमें से एक सैन्य और सुरक्षा बलों द्वारा जवाबी कार्रवाई पर है।

अजीजी ने कहा कि हमारा मानना है कि ट्रंप, नेतन्याहू और सेंटकॉम कमांडर को निशाना बनाया जाना चाहिए और उन पर जवाबी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह हमारा अधिकार है। जैसे हमारे इमाम शहीद हुए, वैसे ही अमेरिका के राष्ट्रपति के साथ भी किसी भी मुस्लिम या आजाद इंसान को पेश आना चाहिए। अजीजी ने कहा कि प्रस्तावित बिल में यह तय किया गया है कि अगर कोई व्यक्ति या संगठन इस मिशन को अंजाम देता है, तो सरकार उसे इनाम के तौर पर 50 मिलियन यूरो देगी।

ईरान पर बड़े पैमाने का हमला करने की योजना बना रहे ट्रंप

वाशिंगटन,(आरएनएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान पर नया और जोरदार हमला करने की योजना बना रहे हैं। सूत्रों ने अपनी रिपोर्ट में ये दावा किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रंप और उनके शीर्ष सहयोगी कूटनीतिक प्रयास बाधित रहने की स्थिति में ईरान पर हवाई हमले फिर से शुरू करने की योजना बना रहे हैं। हाल ही में चीन से लौटते समय ट्रंप ने ईरान का शांति प्रस्ताव भी खारिज कर दिया था।

रिपोर्ट के मुताबिक, पेंटागन हर तरह की संभावित स्थिति के लिए तैयारी कर रहा है। सैन्य योजनाकार युद्धविराम के बाद ऑपरेशन एपिक फ्यूरी को संभावित रूप से फिर से शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं। रिपोर्ट में मध्य पूर्व के 2 अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि अमेरिका और इजरायल की सेनाएं वर्तमान में अपनी सबसे बड़ी संयुक्त तैयारियों में लगी हुई हैं और अगले हफ्ते की शुरुआत में संभावित हमलों के लिए तैयार हो रही हैं।

हाल ही में चीन दौरे के दौरान ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच ईरान को लेकर चर्चा हुई थी। इसके बाद ट्रंप ने कहा कि अमेरिका-चीन इस बात पर सहमत हैं कि ईरान परमाणु हथियार नहीं रख सकता। उन्होंने कहा, ईरान के बारे में उनका मत है कि उनके पास परमाणु हथियार नहीं हो सकते। उन्होंने यह बात दृढ़ता से कही है कि उनके पास परमाणु हथियार नहीं हो सकते। वे चाहते हैं कि ईरान होर्मुज खोल दे।जिनपिंग से मुलाकात के बाद ट्रंप ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अपने रुख में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान की परमाणु गतिविधियों को स्थायी रूप से बंद करने की मांग करने के बजाय 20 साल के सत्यापित निलंबन को स्वीकार कर सकता है।

तुम्हारी रिपोर्टिंग देशद्रोह जैसी, मीडिया सच को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहा

ट्रम्प ईरान युद्ध को लेकर पूछे गए एक सवाल पर पत्रकार पर भड़क गए

वाशिंगटन,(ए.)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान युद्ध को लेकर पूछे गए एक सवाल पर पत्रकार पर भड़क गए। प्रेस वार्ता में ट्रम्प ने रिपोर्टर की आलोचना करते हुए उसकी रिपोर्टिंग को "देशद्रोह" बता दिया और कहा कि मीडिया सच को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहा है। दरअसल अमेरिका के एक वरिष्ठ पत्रकार डेविड सेंगर ने ट्रम्प से सवाल किया था कि यदि अमेरिका ने ईरान के खिलाफ "पूरी सैन्य जीत" हासिल कर ली है, तो फिर अमेरिका अपने राजनीतिक लक्ष्य हासिल क्यों नहीं कर पाया और सैन्य कार्रवाई अब तक क्यों जारी है।इस सवाल पर ट्रम्प भड़क गए। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने ईरान के खिलाफ पूरी तरह सफल सैन्य अभियान चलाया है और यह बात हर कोई जानता है। ट्रम्प ने पत्रकार की ओर इशारा करते हुए कहा कि सिर्फ आप जैसे लोग ही सच नहीं लिखते। इसके बाद ट्रम्प ने रिपोर्टर पर व्यक्तिगत हमला करते हुए कहा कि मुझे लगता है कि जिस तरह आप लिखते हैं, वह देशद्रोह जैसा है। आपके एडिटर आपको जो लिखने के लिए कहते हैं, आप वही लिखते हैं। आपको खुद पर शर्म आनी चाहिए।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प के इस बयान के बाद अमेरिकी मीडिया और राजनीतिक हलकों में बहस छिड़ गई। आलोचकों का कहना है कि राष्ट्रपति का इस तरह पत्रकारों पर हमला करना प्रेस की स्वतंत्रता के खिलाफ है, जबकि उनके समर्थकों का मानना है कि मीडिया प्रशासन की उपलब्धियों को सही तरीके से पेश नहीं करता।

जिनपिंग भी चाहते हैं ईरान के पास न हो परमाणु हथियार और खुले होर्मुज, चीन से लौटने के बाद ट्रंप का बड़ा दावा

वॉशिंगटन,(आरएनएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मुताबिक अमेरिका और चीन इस बात पर सहमत हो गए हैं कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकते और होर्मुज स्ट्रेट को खोला जाना चाहिए.राष्ट्रपति ट्रंप ने चीन के अपने तीन दिन के सरकारी दौरे के दौरान अपने चीनी समकक्ष शी जिनपिंग से मुलाकात की, जहां उन्होंने चल रहे पश्चिम एशिया विवाद और दूसरे क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की. चीन से निकलने के बाद एयर फ़ोर्स वन में रिपोर्टरों से बात करते हुए, ट्रंप ने कहा कि अमेरिका, होर्मुज स्ट्रेट को कंट्रोल करता है, साथ ही इस बात पर जोर दिया कि इस इलाके में अमेरिका की नौसेना नाकाबंदी की वजह से पिछले ढाई हफ़्तों में ईरान को हर दिन 500 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है. मैं उनकी बहुत इज्जत करता हूँ.

उन्होंने कहा, ईरान के बारे में उन्हें पक्का यकीन है कि उनके पास न्यूक्लियर वेपन नहीं हो सकता. उन्होंने बहुत पक्का कहा, उनके पास न्यूक्लियर वेपन नहीं हो सकता और वह चाहते हैं कि वे स्ट्रेट खोल दें लेकिन जैसा उन्होंने कहा, वे इसे बंद करते हैं और आप उन्हें बंद करते हैं. और यह सच है, हम स्ट्रेट को कंट्रोल करते हैं, और उन्होंने (ईरान) पिछले ढाई हफ़्तों में कोई बिजनेस नहीं किया है, जो लगभग 500 मिलियन डॉलर हर दिन है.प्रेसिडेंट ट्रंप ने आगे कहा, चीन के प्रेसिडेंट शी जिनपिंग ताइवान में आजादी की लड़ाई नहीं देखना चाहते क्योंकि इससे बहुत बड़ा टकराव होगा. हमारा ठहरना बहुत अच्छा रहा. यह एक कमाल का समय था. राष्ट्रपति जिनपिंग एक कमाल के इंसान हैं. राष्ट्रपति जिनपिंग और मैंने ताइवान के बारे में बहुत बात की.उन्हें लगता है कि वे जो कर रहे हैं, उससे उनका कोई लेना-देना नहीं हो सकता. वे जो कर रहे हैं, वह उसके बहुत खिलाफ हैं. हमने ताइवान और ईरान के बारे में बहुत बात की और मुझे लगता है कि दोनों पर हमारी बहुत अच्छी समझ है. ताइवान के बारे में वह आजादी की लड़ाई नहीं देखना चाहते क्योंकि इससे बहुत बड़ा टकराव होगा.

स्पेस-एक्स की 12 जून तक नैस्डैक पर आईपीओ लॉन्च की योजना

वाशिंगटन,(आरएनएस)। एलन मस्क की रॉकेट और सैटेलाइट निर्माता कंपनी स्पेस-एक्स 12 जून को अपने शेयर सूचीबद्ध करने की योजना बना रही है। उसने अपने इस भव्य शेयर बाजार शुभारंभ के लिए नैस्डैक को ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के रूप में चुना है। पिछले कई सालों में सबसे बहुप्रतीक्षित लिस्टिंग में से एक है। इसके इस साल के व्यस्त आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) कैलेंडर में सबसे प्रमुख होने की उम्मीद है, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनियां एंथ्रोपिक और ओपनएआई भी शामिल हो सकती हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, एसपीसीएक्स स्टॉक सिंबल (टिकर) के तहत शेयर बाजार में कारोबार करने के लिए तैयार कंपनी ने अपने आईपीओ की समय सीमा को तेज कर दिया है। अब अगले बुधवार को अपना प्रॉस्पेक्टस सार्वजनिक करने का लक्ष्य रखा है, साथ ही 4 जून को रोड शो लॉन्च करने और 11 जून को शेयर बिक्री शुरू करने की योजना है। सूत्रों ने बताया कि पहले आईपीओ जून के अंत में मस्क के जन्मदिन के आस-पास लाने का लक्ष्य था।

रिपोर्ट में पहले बताया था कि मस्क की यह कंपनी लगभग 1,750 अरब डॉलर (करीब 1.6 लाख अरब रुपये) के मूल्यांकन पर लगभग 75 अरब डॉलर (करीब 7,000 अरब रुपये) जुटाने का लक्ष्य रख रहा है।

शनि जयंती पर दिखी पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष की सादगी, आम श्रद्धालुओं के साथ लाइन में लगकर किए दर्शन

सीहोर (निप्र)। शनि जयंती के पावन अवसर पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राकेश राय ने बढ़िया खेड़ी स्थित प्रसिद्ध शनि मंदिर पहुंचकर

भगवान शनिदेव के दर्शन किए। खास बात यह रही कि उन्होंने किसी विशेष व्यवस्था का सहारा नहीं लिया, बल्कि आम श्रद्धालुओं की तरह लाइन में खड़े होकर पूजा-अर्चना की।मंदिर परिसर में मौजूद लोगों ने राकेश राय की इस सादगी और सहज व्यवहार की सराहना की। जहां कई जनप्रतिनिधि वीआईपी व्यवस्था के बीच दर्शन करते नजर आते हैं, वहीं राकेश राय आम भक्तों के बीच पूरी श्रद्धा और सरलता के साथ नजर आए।शनि जयंती पर मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रही। भक्तों ने शनिदेव का तेलाभिषेक कर सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। इस दौरान राकेश राय ने भी विधि-विधान से पूजा कर प्रदेश और नगरवासियों की खुशहाली की प्रार्थना की।

चर्च मैदान पर इंटरनेशनल खिलाड़ी सुयश दे रहे फुटबाल का निशुल्क प्रशिक्षण

रोमांचक मैच में सीहोर चिल्ड्रन ने ग्रीन को 1-0 से हराया

सीहोर (निप्र)। शहर के चर्च मैदान पर जिला फुटबाल एसोसिएशन के तत्वाधान में निशुल्क प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

इसमें यहां पर शहर का गौरव इंटरनेशनल स्तर पर बढ़ाने वाले सुयश कन्नोजिया के अलावा अन्य प्रशिक्षकों के द्वारा खेल की बारीकियों से अवगत किया जा रहा है। शाम को चार बजे ब्लाक स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जा रहा है। शनिवार को शाम को दो मैच खेले गए थे, इसमें पहला मैच सीहोर चिल्ड्रन ने सीहोर ग्रीन को 1-0 से हराया। वहीं एक अन्य मुकाबला गर्ल्स और डीएसवाय के मध्य खेला गया। इसमें सीहोर गर्ल्स की टीम 2-0 से विजय रही। एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि सीहोर चिल्ड्रन की ओर से एक मात्र गोल एकलव्य ने किया था। वहीं एक अन्य मैच में सीहोर गर्ल्स की टीम ने डीएसवाय को 2-0 से हराया। इस मैच में सीहोर गर्ल्स की ओर से अवनी ने दो गोल किए।

नीट का पेपर लीक होने पर कांग्रेस ने जताया विरोध, निकाला मशाल जुलुस

भाजपा सरकार कर रही है देश के लाखों विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़-राजीव गुजराती

सीहोर (निप्र)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने मेडिकल प्रवेश की सबसे बड़ी परीक्षा नीट 2026 को रद्द कर दी गई, जो 3 मई को जो नीट यूजी परीक्षा आयोजित हुई थी, लेकिन उसके पर्चे पहले ही लीक हो गए थे। भाजपा सरकार के राज में विद्यार्थियों के भविष्य के साथ हो रहे खिलवाड़ के विरोध में छात्र-छात्राओं के हित में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजीव गुजराती के नेतृत्व एवं पूर्व सांसद सुरेन्द्र सिंह ठाकुर के विशेष उपस्थिति में स्थानीय कोतवाली चौराहे से लिसा टाकिज चौराहे तक मशाल जुलुस निकाला गया। उक्त मशाल जुलुस में कार्यकर्ता हाथों में तकती लिये गगन भेदी नारे लगा रहे थे। इस मौके पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती ने कहा कि इस भाजपा सरकार में जवाबदेही नाम की चीज नही है। कांग्रेस के शासन में एक दुर्घटना होने पर इस्तिफा दे देते थे, लेकिन इतनी बड़ी परीक्षा का पेपर लीक होने पर, जिसमें भाजपा के पदाधिकारी ही शामिल है, लेकिन अभी तक इस्तिफा नही दिया है। श्री गुजराती ने आगे कहा कि पेपर लीक की वजह से एनटीए ने परीक्षा को रद्द करने का फैसला लिया, यह विद्यार्थियों भविष्य के साथ खिलवाड़ है। यह पहली बार नहीं हो रहा है 10 सालों

में लगभग 89 पेपर लीक, और 48 बार दोबारा परीक्षा हुई है। हमारी सरकार से मांग है कि दोषियों पर जल्द से जल्द कार्यवाही और नीट परीक्षा जल्द से जल्द हो।पूर्व सांसद सुरेन्द्र सिंह ठाकुर ने कहा कि इस बार 22 लाख छात्रों ने नीट परीक्षा दी थी, जिसके लिए कई छात्रों ने साल दो साल की महंगी कोचिंग कक्षाओं में पढ़ाई की होगी कई छात्रों के मां-बाप ने आर्थिक कठिनाइयां या अन्य दिक्कतों का सामना किया होगा ताकि उनके बच्चे इन परीक्षाओं में सफल तो हो सके डॉक्टर बनने के लिए मेडिकल कॉलेज में उनका दाखिला हो जाए।

छात्रों का भविष्य उनके सपने बेहतर जीवन की तैयारी सब कुछ इस परीक्षा पर निर्भर होगा जिसे एक झटके में पेपर लीक माफियाओं ने तोड़ दिया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से विवेक राठौर, घनश्याम यादव, महेश दयाल चौरसिया, ओम वर्मा, रमेश गुप्ता, राजेंद्र वर्मा, प्रीतम दयाल चौरसिया, हरीश राठौर, इरफान लाला, गुलाब बाई ठाकुर, राकेश वर्मा, नरेंद्र खंगराले, निशांत वर्मा, दिनेश पटेल, हर्षदीप राठौर, तारा यादव, अशरफ अली, संतोष मालवीय, कमलेश चांडक, बृजेश पाटीदार, मनीष मेवाड़ा, हरिओम सिसोदिया, राहुल ठाकुर, मोनू शर्मा, मुस्तफा अंजुम, संतोष पटेल, अंकुर विश्वकर्मा, के.के. रिछारिया, तुलसी राजकुमार राठौर, अभिजीत परमार, हिमांशु मालवीय, जितेंद्र परमार, दिव्यांश मालवीय, विशाल, मनीष, सुमित, अशोक, विष्णु, विक्की विश्वकर्मा, सुयश तोमर, तनिष्क त्यागी, अंकुर ठाकुर, यश यादव, मनोज परमार, घनश्याम मीणा, अरविन्द ठाकुर, संतोष राजपूत, घनश्याम जांगड़ा, सुरेंद्र सिंह ठाकुर, सुरेश ठाकुर, नितिन उपाध्याय, राहुल गोस्वामी, मुनव्वर मामू, देवी सिंह तंवर, पवन गुर्जर, ओम वर्मा, तीरथ सिंह सरपंच, हिरदेश सिंह मझेड़ा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

प्रमुख पेंशन एसोसिएशन जिला कार्यकारिणी की प्रथम बैठक आज

सीहोर (निप्र)। प्रमुख पेंशन एसोसिएशन के सीहोर जिलाध्यक्ष सुन्दरलाल राठौर ने बताया कि जिला कार्यकारिणी की प्रथम बैठक आज दिनांक 17 मई 2026, दिन रविवार को स्थानीय संजय टाकिज के पीछे पं.राममूर्ति शर्मा के निवास पर दिन के 12 बजे आयोजित की गई है। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप प्रमुख पेंशन एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष श्याम जोशी इन्दौर एवं उप प्रांत अध्यक्ष एल.एन.कैलाशिया भोपाल उपस्थित रहेगें। बैठक में पेंशनरों से सम्बंधित समस्याओं के निराकरण हेत रणनीति तैयार की जावेगी।

शनि जन्मोत्सव पर भगवान शनिदेव को चढ़ाया तेल-तिल, 51 किलो इमरती का लगाया भोग

सीहोर (निप्र)। हर साल की तरह इस साल भी शनि जन्मोत्सव के अवसर पर शनिवार को शहर के कोलीपुरा स्थित प्राचीन सिद्धपीठ श्री नृसिंह लक्ष्मी मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ नजर आई। भक्तों ने अपने आराध्य को तेल चढ़ाया व जरूरतमंदों के लिए दान भी किया। शनि मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालु पहुंचे। वहीं मंदिर में अभिषेक, पूजन और हवन कार्यक्रम हुआ। सुबह छह बजे से शनि भगवान का अभिषेक किया गया। भगवान को प्रसन्न करने के लिए इमरती का भोग लगाया गया। मंदिर में विराजमान शनिदेव के दर्शनों के लिए भक्तों की भीड़ नजर आई। इस मौके पर संत माधवदास महाराज अधिकारी ने बताया कि शनिदेव को भाग्य विधाता और न्याय का देवता माना जाता हैं। शास्त्रों की माने तो अमावस्या के दिन करने वाले उपाय विशेष फल प्रदान करते हैं। परेशानियां और शनि दोष दूर करने के लिए कुछ उपाए हैं, जिसे करने से

शनिदेव खुश होते हैं और भक्तों को शुभ फल मिलता है। सभी जातकों, साड़े साती वाले जातक शनिदेव को प्रसन्न करने शाम के समय उनके दर्शन कर तेल चढ़ाकर दान किया।संस्कार मंच के प्रभारी मनोज दीक्षित मामा ने बताया कि भक्तों ने मंदिर में जाकर शनि महाराज का पंचामृत और सरसों के तेल से तैलाभिषेक किया। इस दिन काले तिल, नीले वस्त्र और सरसों के तेल का दान करना अत्यंत शुभ माना गया है। शनिदेव को न्याय का देवता और कर्मों के अनुसार फल देने वाला ग्रह माना जाता है। शनि की चाल बदलने पर कई राशियों पर साढ़ेसाती और ढैय्या का प्रभाव शुरू या समाप्त होता है। जिन लोगों पर शनि का प्रभाव रहता है, उन्हें जीवन में कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि शनि जयंती के दिन शनि मंदिर में जाकर शनि चालीसा और शनि रक्षा स्तोत्र का पाठ करना शुभ माना जाता है। इससे शनि दोष, साढ़ेसाती और ढैय्या के प्रभाव में राहत मिल सकती है। कार्यों में सफलता प्राप्त होती है। पूजा के दौरान श्रद्धालुओं को शनिदेव की आंखों में देखने के बजाय उनके चरणों के दर्शन करने चाहिए। इस दिन जरूरतमंदों को काले तिल, सरसों का तेल, कंबल और दक्षिणा दान करना भी अत्यंत फलदायी माना गया है।

सीहोर जिले के बुधनी जनपद पंचायत में तालाब की मिट्टी का अवैध उत्खनन, प्रशासन मौन

संजय कलमोर

रेहटी-सीहोर जिले की जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत माजरकुई में स्थित तालाब से रेलवे ठेकेदार द्वारा पंचायत की अनुमति के बिना बड़े पैमाने पर मिट्टी का अवैध उत्खनन किया जा रहा है। ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों का आरोप है कि प्रतिदिन सैकड़ों डंपरों से तालाब की मिट्टी निकाली जा रही है, जिससे तालाब का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है।

ग्राम पंचायत सरपंच एवं सचिव ने तहसीलदार को लिखित आवेदन देकर बताया कि पोकलेन मशीनों की मदद से लगातार खुदाई की जा रही है, लेकिन शिकायत के बावजूद अब तक प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। ग्रामीणों का आरोप है कि रेलवे ठेकेदार और अधिकारियों की मिलीभगत के चलते दबंगई के साथ खुलेआम अवैध उत्खनन जारी है मामले की शिकायत कलेक्टर सीहोर एवं एसडीएम बुधनी को भी की गई है, लेकिन पंचायत प्रतिनिधियों का कहना है कि अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं। ग्राम पंचायत माजरकुई के पटवारी ने भी स्पष्ट किया कि मिट्टी खुदाई के संबंध में उनके द्वारा कोई अनुशंसा नहीं की गई है। साथ ही न तो तहसील प्रशासन से अनुमति ली गई है और न ही माइनिंग विभाग से किसी प्रकार की स्वीकृति प्राप्त की गई है।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो तालाब पूरी तरह खत्म हो सकता है, जिससे गांव के जलस्तर और पर्यावरण पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस अवैध उत्खनन पर कब तक कार्रवाई करता है या फिर ठेकेदारों की मनमानी यूं ही जारी रहेगी।

अभिषेक मालवीय बने आम आदमी पार्टी के सीहोर जिला सोशल मीडिया प्रभारी

सीहोर (निप्र)। आम आदमी पार्टी द्वारा मध्यप्रदेश सोशल मीडिया विंग के पदाधिकारियों की घोषणा की गई है। पार्टी ने युवा एवं सक्रिय कार्यकर्ता अभिषेक मालवीय को सीहोर जिले का सोशल मीडिया प्रभारी नियुक्त किया है।नियुक्ति पर अभिषेक मालवीय ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल (पूर्व मुख्यमंत्री, दिल्ली) एवं मध्यप्रदेश प्रभारी जितेन्द्र सिंह तोमर (पूर्व कानून मंत्री, दिल्ली सरकार) के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि एक छोटे से कार्यकर्ता को पार्टी द्वारा इतना बड़ा दायित्व सौंपना उनके लिए गर्व, सम्मान और प्रेरणा की बात है।अभिषेक मालवीय कहा कि उन्होंने कभी कल्पना नहीं की थी कि संगठन उन पर इतना बड़ा विश्वास जताएगा। यह जिम्मेदारी उनके लिए केवल एक पद नहीं, बल्कि आम आदमी पार्टी की विचारधारा, नीतियों और जनहित के मुद्दों को मजबूती से जनता तक पहुँचाने का अवसर है।उन्होंने विश्वास दिलाया कि वे पूरी मेहनत, ईमानदारी और सक्रियता के साथ सोशल मीडिया के माध्यम से संगठन को मजबूत करने एवं पार्टी की आवाज को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य करेंगे।

पिता के निधन उपरांत नेत्रदान कराकर पुत्रों ने दिया मानवता का संदेश

सीहोर (निप्र)। सीहोर के चाणक्यपुरी निवासी सुनील चौहान एवं अनिल चौहान ने अपने पिता स्वर्गीय श्री शिवराज सिंह चौहान के निधन के उपरांत नेत्रदान कराकर मानवता और सामाजिक संवेदनशीलता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। दु:ख की इस घड़ी में दोनों पुत्रों ने समाज को प्रेरणा देने वाला निर्णय लेते हुए स्वप्रेरणा से नेत्रदान कराने की इच्छा व्यक्त की। सिविल सर्जन डॉ यूके श्रीवास्तव ने बताया कि परिवार की सहमति के बाद भोपाल स्थित गाँधी मेडिकल कॉलेज के नेत्र बैंक की टीम द्वारा आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर नेत्रदान संपन्न कराया गया। उन्होंने कहा कि नेत्रदान महादान है और इससे किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन में फिर से रोशनी लाई जा सकती है। समाज में ऐसे उदाहरण लोगों को नेत्रदान के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। चौहान परिवार का यह निर्णय न केवल दिवंगत आत्मा के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है, बल्कि मानव सेवा की भावना का भी श्रेष्ठ संदेश देता है।

वैष्णो देवी की तीर्थ यात्रा के आवेदन की अंतिम तिथि 30 मई

सीहोर (निप्र)। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत 13 जून से 18 जून 2026 तक सीहोर जिले के 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को "वैष्णो देवी" की तीर्थ यात्रा कराई जाएगी। वैष्णो देवी की तीर्थ यात्रा के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 30 मई 2026 है। आवेदन पत्र विभागीय वेबसाइट https://dharmasva.mp.gov.in से प्राप्त कर https://dpms.mp.nic.in पोर्टल के माध्यम से ही दर्ज किए जा सकते हैं। निर्धारित कोटे से अधिक आवेदन प्राप्त होने की स्थिति में पात्र आवेदकों का चयन कम्प्यूटरीकृत लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा।

बीएसआई मैदान पर एकलव्य फैंडशिप क्रिकेट लीग प्रतियोगिता 2026

एकलव्य रेड ने ब्लू को तीन विकेट से हराया, अहद ख़ान ने खेली 50 रन की पारी

सीहोर (निप्र)। शहर के बीएसआई मैदान पर शनिवार से आरंभ हुई एकलव्य फैंडशिप क्रिकेट लीग प्रतियोगिता का शुभारंभ एकलव्य ब्लू और रेड के मध्य खेला गया। जिसमें रेड ने ब्लू को तीन विकेट से हराया। इस मैच में रेड की ओर से फरहान ने 37 गेंद पर 50 रन की पारी खेली। वहीं अनंत ने चार और बंधन ने तीन विकेट हासिल किए थे। इस मौके पर अकादमी के संरक्षक जगदीश कुशवाहा, अतुल कुशवाहा, चेतन मेवाड़ा, गौरव पिचोनिया आदि ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता का आयोजन जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष सुदेश राय, सचिव अतुल तिवारी और कोषाध्यक्ष वीरु वर्मा आदि के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

डीसीए के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि पहले बल्लेबाजी करने उतरी एकलव्य ब्लू की टीम ने 33.4 ओवर में 10 विकेट खोकर 144 रन बनाए थे। इसमें धैर्य सिंह ठाकुर ने 102 गेंद पर 66 रन, प्रिंस शेट्टी ने 21 रन बनाए थे। इधर रेड की ओर से गेंदबाजी करते हुए अनंत पेशवानी ने चार विकेट, बंधन परमार ने तीन विकेट, अभिनव राठौर दो विकेट मोहित माहेश्वरी ने एक विकेट हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी रेड ने 17.2 ओवर में सात विकेट खोकर 147 रन बनाए थे। इसमें अहद ख़ान ने 50 रन, अराव मसीह ने 23 रन, बंधन पवार ने 12 रन की पारी खेली। इधर विनित वर्मा, हर्ष परमार और प्रिंस कुशवाहा ने दो-दो विकेट हासिल किए। रविवार को एकलव्य अकादमी रेड और गौर क्रिकेट अकादमी नर्मदापुरम का मैच खेला जाएगा।

नदी बचाओ अभियान आज इतिहास लिखेंगे सीवन पुत्र-पुत्रियां

पहली बार की जाएगी पवित्र सीवन नदी की 19 किमी की परिक्रमा

सीहोर (निप्र)। ।शहर की जीवनदायिनी और एक पवित्र ऐतिहासिक जलधारा के रूप में सदियों से मौजूद रही सीवन नदी को अपने मूल स्वरूप में लाने के लिए नगर के युवाओं ने करीब सबा महीने से अभियान शुरू किया है। इसके तहत जन जागरूकता, जलकुंभी निकालना और नदी के प्रति आत्मिक लगाव जोड़ने के लिए सीवन पुत्र-पुत्री बनाने की मुहिम चलाई जा रही है। इसी क्रम में 17 मई रविवार को मनकामेश्वर मंदिर से सीवन परिक्रमा शुरू की जा रही है। इसे लेकर नगर में खासा उत्साह दिखाई दे रहा है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए नगर के लगभग सभी जिम्मेदार नागरिकों ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपील भी की है।

सीवन नदी का है ऐतिहासक महत्व

सीवन नदी मात्र एक जलधारा ही नहीं है बल्कि यह सीहोर को सांस्कृतिक पहचान देती है। इस नदी के तट अपने प्राचीन मंदिरों व स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानों के कारण ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण हैं। सीहोर का प्राचीन नाम 'सिद्धपुर' है। सीवन नदी के तट पर प्राचीन काल से ही ऋषि-मुनियों और संतों ने तपस्या की है। प्राचीन काल से ही इस नदी के तट लोगों की आस्था के केंद्र रहे हैं, जहाँ विभिन्न देवी-देवताओं और नंदी महाराज की मूर्तियां व ऐतिहासिक छतरियां स्थित हैं।

1857 की क्रांति और वीरों का बलिदान

सीवन नदी के तट का इतिहास भारत के स्वतंत्रता संग्राम का एक बहुत ही महत्वपूर्ण और दुखद अध्याय समेटे हुए है। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान सीहोर ब्रिटिश छावनी का एक प्रमुख केंद्र था। 14 जनवरी 1858 को, जनरल ह्यूरोज के आदेश पर 356 भारतीय क्रांतिकारियों को जेल से निकालकर इसी नदी के किनारे सैकड़ाखेड़ी (चांदमारी मैदान) ले जाया गया था। इन सभी देशभक्तों को नदी के तट पर एक साथ खड़ा कर गोलियों से भून दिया गया था। इस शहादत के कारण यह स्थान एक पवित्र स्मारक

और तीर्थ के रूप में याद किया जाता है। इसे प्रदूषण से बचाने और एक धरोहर के रूप में संरक्षित करने के लिए स्थानीय प्रशासन और जनता द्वारा सीवन नदी के गहरीकरण और सौंदर्यीकरण के विशेष अभियान भी चलाए गए हैं।यह नदी सीहोर के प्राचीन गौरव और स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों के बलिदान की मूक साक्षी है। सीवन नदी का उद्गम सैकड़ाखेड़ी के पास स्थित पहाड़ियों और जलधाराओं से है। सीवन नदी की लंबाई लगभग 19 किमी है। शहरी क्षेत्र सीहोर नगरीय सीमा के भीतर इस नदी की कुल लंबाई लगभग 8 किमी है। इसी शहरी हिस्से के दोनों ओर मुख्य आबादी बसती है और नदी पर सात प्रमुख पुल बने हुए हैं। सीहोर शहर और उसके आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों से बहते हुए अंतत: पार्वती नदी में जाकर मिल जाती है।

जल संरक्षण और जीर्णोद्धार अभियान

नदी के अस्तित्व को बचाने और इसे पुनर्जीवित करने के लिए यह पहला अभियान नहीं है। इसके पहले भी कई बड़े जन-आंदोलन चलाए गए हैं। स्थानीय नागरिकों, सामाजिक संस्थाओं और प्रशासन ने मिलकर नदी की गाद (कीचड़) निकालने का बड़ा कार्य किया। नदी की जलभराव क्षमता बढ़ाने के लिए पोकलेन मशीनों और श्रमदान के जरिए इसके तल को गहरा किया गया।सौंदर्यीकरण और घाट निर्माण: जनता घाट सहित अन्य तटों पर पक्के घाटों का निर्माण, रिटेनिंग वॉल (सुरक्षा दीवार) और लाइटिंग की व्यवस्था की गई।

प्रदूषण नियंत्रण

शहर के गंदे नालों को नदी में मिलने से रोकने के लिए वाटर ट्रीटमेंट और डायवर्जन योजनाओं पर काम किया जा रहा है।सीवन नदी के आस-पास स्थित हैं प्राचीन मंदिरप्राचीन सहस्त्रलिंगम महादेव मंदिरसीवन नदी के तट पर स्थित यह ऐतिहासिक शिव मंदिर लगभग 300 वर्ष से अधिक पुराना माना जाता है। मान्यता है कि मंदिर का मुख्य शिवलिंग स्वयं सीवन नदी से ही प्रकट हुआ था।1000 शिवलिंगों का समागम: इस एक बड़े शिवलिंग की सतह पर 1,008 छोटे-छोटे शिवलिंग प्राकृतिक रूप से उकेरे हुए हैं। पूरे भारत और नेपाल को मिलाकर ऐसे गिने-चुने शिवलिंग ही मौजूद हैं।धार्मिक मान्यता: कहा जाता है कि सावन के महीने में यहाँ सिर्फ एक बार मूल मंत्र का जाप करने से 1008 बार जाप करने जितना पुण्य फल मिलता है। सीवन नदी के तट पर बजरंगबली को समर्पित प्राचीन मंदिर स्थित हैं। इस मंदिर का इतिहास पेशवा कालीन (मराठा साम्राज्य) माना जाता है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, यहाँ काले पहाड़ के पास हनुमान जी की प्रतिमा नदी में विलीन अवस्था में थी, जिसे बाद में स्वप्न में मिले निर्देश के बाद नदी से निकालकर आदरपूर्वक स्थापित किया गया।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित।
ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com